दैनिक

कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष: 28, अंक: 181 पृष्ठ 12, रीवा

मंगलवार 24 मार्च 2026

मूल्य: 3.00 रुपए

चतुरंगिणी सेना के गठन का किया ऐलान, सेना में कुल 2,18,700 स्वयंसेवक शामिल

जो देशभर से भर्ती किए जाएंगे

वाराणसी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने वाराणसी में बड़ी घोषणा कर च्चतुरंगिणी सेनाज्ज् के गठन का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि सेना में कुल 2,18,700 स्वयंसेवक शामिल किए जाएंगे, जो देशभर से भर्ती किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य गौरक्षा, धर्म रक्षा, शास्त्र रक्षा और मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सेना की वर्दी पीले रंग की होगी और प्रतीक के रूप में परशु (फरसा) रखा जाएगा। इस सेना के संचालन के लिए च्श्रीशंकराचार्य चतुरंगिणी सभाज्ज् का गठन किया गया है, जिसमें 27 सदस्य और इसके अध्यक्ष स्वयं शंकराचार्य रहने वाले है। उन्होंने सेना के काम करने की रणनीति भी स्पष्ट की। उनके अनुसार, पहले च्टोकोज्ज् यानी गलत कार्य का विरोध करें, फिर च्रोकोज्ज् यानी उस गलत काम को रोकने का प्रयास करें, और अगर फिर भी बात न बने तब च्ठोकोज्ज।

हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि च्ठोकोज्ज् का अर्थ हिंसा नहीं है, बल्कि कानूनी कार्रवाई, शिकायत और पंचायत जैसे संवैधानिक उपायों को अपनाना है।

उन्होंने संगठनात्मक ढांचे पर बता कर बताया कि एक टीम में 10 सदस्य शामिल रहने वाले है। इस तरह 21,870 टीमें बनाकर पूरी सेना तैयार की जाएगी। भारत के लगभग 800 जिलों में यदि प्रत्येक जिले में 27 टीमें बनती हैं, तब करीब 2.16 लाख लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकती है।

कोल्ड स्टोरेज की इमारत का हिस्सा ढहा, 9 की मौत, अमोनिया गैस लीक से 1 किमी तक फैला असर

मलबे में 20 मजदूरों के दबे होने की आशंका; रेस्क्यू जारी

प्रयागराज,। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के फाफामऊ इलाके में सोमवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया, जब एक कोल्ड स्टोरेज की इमारत का हिस्सा अचानक ढह गया। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि करीब 20 मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे में कोल्ड स्टोरेज से अमोनिया गैस का रिसाव हुआ जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। गैस करीब 1 किलोमीटर तक फैल गई, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी।

हादसा सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे हुआ, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी अनुसार मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें 5 जेसीबी मशीनों के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। अब तक 9 लोगों को मलबे से बाहर निकाला जा चुका है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हादसे के बाद कोल्ड स्टोरेज से अमोनिया गैस का रिसाव भी होने लगा, जिससे आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। गैस करीब 1 किलोमीटर तक फैल गई, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। स्थानीय लोग मुंह पर कपड़ा बांधकर घरों से बाहर निकलने को मजबूर हो गए।

प्रशासन के अनुसार, इस कोल्ड स्टोरेज की संरचना लगभग 60 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई थी और इसका 40 फीट ऊंचा तथा 75 फीट लंबा हिस्सा ढह गया। यहां 100 से अधिक मजदूर काम करते हैं, जिससे हादसे में जानमाल के नुकसान की आशंका और बढ़ गई है। घटना के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। पुलिस को विरोध का भी सामना करना पड़ा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। पुलिस ने कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर को हिरासत में ले लिया है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है,

मोदी 100 प्रतिशत ट्रम्प के कंट्रोल में हैं

वडोदरा राहुल गांधी ने सोमवार को वडोदरा में कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में 25 मिनट का भाषण दिया है लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। मोदी 100 प्रतिशत ट्रम्प के कंट्रोल में है। मोदी पार्लियामेंट में डिबेट नहीं कर सकते, क्योंकि कम्प्रोमाइज्ड हैं। अमेरिका में अडाणी पर जो केस है असल में वो नरेंद्र मोदी को धमकाने के लिए है। अमेरिका का नरेंद्र मोदी को सीधा मैसेज है कि ज्यादा ऊटपटांग हरकत की तो समझ लेना। ट्रम्प ने साफ कहा है कि मैं मोदी का करियर खत्म कर सकता हूं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक

नई दिल्ली । केंद्रीय वित मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक पेश किया है। विधेयक का उद्देश्य सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है। कंपनी अधिनियम निगमन, कॉर्पोरेट प्रशासन, प्रकटीकरण और विघटन को नियंत्रित करता है, जबकि एलएलपी अधिनियम साझेदारों के लिए सीमित देयता के साथ अधिक लचीला ढांचा प्रदान करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की हिरासत पर लगाई गई याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली.)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। यह याचिका उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो द्वारा दायर की गई थी।

ईरान में युद्ध के बीच मदद को आगे आए कश्मीर के लोग.....

जम्मू,(ईएमएस) ईरान में युद्ध के बीच कश्मीर के कई इलाकों में लोगों ने राहत के लिए नकद, सोना और तांबे के बर्तन दान किए। ईरानी एम्बेसी ने इस पर आभार जताकर कहा कि यह मदद कभी नहीं भुलाई जाएगी। कश्मीर के शिया बहुल इलाकों में युवाओं ने घर-घर जाकर दान जुटाया। अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित सभी वर्गों के लोग शामिल हुए।

इंदौर में गैरेज में लगी आग, दो कारें जलकर हुईं खाक

इंदौर मध्यप्रदेश की कारोबारी राजधानी इंदौर में सोमवार सुबह लेकपार्क कॉलोनी, चोइथराम अस्पताल के पास मौजूद एक गैरेज में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

आदिवासी अधिकार संवाद बोले राहुल गांधी- विकास की कीमत आदिवासी चुका रहे

वडोदरा, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को गुजरात दौरे पर वडोदरा पहुंचे, जहां उन्होंने च्आदिवासी अधिकार संवादज् कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने आदिवासी अधिकारों, सामाजिक प्रतिनिधित्व और विकास की नीतियों को लेकर केंद्र सरकार और कॉरपोरेट क्षेत्र पर सवाल उठाए। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि जब भी विकास की बात होती है, उसका सबसे ज्यादा असर आदिवासी समुदाय पर पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में आदिवासियों की जमीनें विकास परियोजनाओं के लिए ले ली जाती हैं। उनका कहना था कि मूर्ति निर्माण हो या खनन परियोजना, इसका बोझ अक्सर आदिवासी समुदाय को ही उठाना पड़ता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना का मुद्दा भी उठाया और कहा कि वे इस विषय को लगातार उठाते रहे हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और नरेंद्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी की आलोचना का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने देश की जनसंख्या के सामाजिक आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि आदिवासी लगभग 9प्रतिशत, दलित 15प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग 50प्रतिशत और अल्पसंख्यक 15प्रतिशत हैं। इसके बावजूद, उनके अनुसार, बड़े कॉरपोरेट और संस्थानों में इन वर्गों की भागीदारी बहुत कम है। यहां पर राहुल गांधी ने विशेष रूप से अडाणी ग्रुप का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन में आदिवासी समुदाय का कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिखता। उन्होंने निजीकरण की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे सीमित लोगों को ही फायदा हो रहा है, जबकि पहले सार्वजनिक क्षेत्र में आरक्षण के जरिए सभी वर्गों को अवसर मिलता था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी और निजी संस्थानों में प्रतिनिधित्व के मामले में असमानता बनी हुई है। उन्होंने बजट पेश करने के दौरान खड़े 11 अधिकारियों का उदाहरण देते हुए कहा कि उनमें दलित या पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व नहीं दिखता।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, कि निजीकरण, शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों और कॉरपोरेट सेक्टर में भी समान अवसरों की कमी है और आदिवासी समुदाय को उचित भागीदारी नहीं मिल रही है।

कोलकाता मेट्रो के निर्माण में हो रही देरी पर ममता सरकार से नाराज हुए सीजेआई

यह देरी अधिकारियों के अड़ियल रवैये को दिखाती

नई दिल्ली,। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता मेट्रो के निर्माण में हो रही देरी को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह देरी अधिकारियों के अड़ियल रवैये को दिखाती है और विकास कार्यों को अनावश्यक रूप से रोका जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी कि हर मुद्दे का राजनीतिकरण करना उचित नहीं है, खासकर जब मामला सीधे तौर पर शहर के विकास से जुड़ा हो। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश में कोई कमी नहीं है और परियोजना को तय समयसीमा में पूरा होना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने ममता सरकार से तीखा सवाल कर कहा कि क्या विकास से ज्यादा त्यौहार महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ममता सरकार अपने कर्तव्यों से बंधी है और बंगाल सरकार को प्राथमिकताओं का सही निर्धारण करना चाहिए।सुनवाई के दौरान ममता सरकार ने अपनी ओर से दलील दी कि चुनाव और त्यौहारों के कारण देरी हो रही है तथा सड़क से एम्बुलेंस और अंग प्रत्यारोपण वाले वाहन गुजरते हैं, इसकारण ट्रैफिक ब्लॉक करना मुश्किल है।

इस पर अदालत ने कहा कि यदि चुनाव आयोग चुनाव सुचारू रूप से करा सकता है, तब विकास परियोजनाओं को रोकने का यह उचित कारण नहीं हो सकता।सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने टिप्पणी की कि यह ऐसा मामला है जिसमें राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के खिलाफ कार्रवाई हो सकती थी,

रेलवे दुर्घटना में अजन्मे भ्रूण की मौत पर मुआवजे का आदेश

प्रयागराज पेट में पल रहा 5 माह का बच्चा भी इंसान, ट्रेन में चढ़ते वक्त गिरी गर्भवती महिला को मुआवजे पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

2018 में 8-9 माह की गर्भवती महिला ट्रेन पर चढ़ते समय गिर गई थी, जिसमें वो गंभीर रूप से घायल हो गई थी. बाद में इलाज के दौरान महिला और अजन्मे बच्चे की मौत हो गई. अधिकरण ने महिला की मृत्यु के लिए मुआवजा दिया था, लेकिन उस भ्रूण के लिए अलग से मुआवजा देने से इनकार कर दिया था.इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एक गर्भवती महिला की मौत से जुड़े मामले में फैसला सुनाया है, जो ट्रेन पर चढ़ते समय गिर गई थी. इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि पांच माह से अधिक समय तक गर्भ में पलने वाले अजन्मे भ्रूण को कानून की नजर में एक च्व्यक्ति माना जाएगा और एक दुर्घटना में उसकी मृत्यु होने पर परिवार अलग से मुआवजे का हकदार होगा. साल 2028 में एक गर्भवती महिला ट्रेन पर चढ़ते समय गिर गई थी. इस हादसे में महिला और उसके पेट में पल रहे बच्चे दोनों की मौत हो गई थी. पहले रेलवे दावा अधिकरण ने सिर्फ महिला की मौत के लिए मुआवजा दिया था, बच्चे के लिए मुआवजा देने से इनकार कर दिया था. इसी को लेकर महिला के परिजन कोर्ट पहुंचे थे.लखनऊ बेंच ने कहा कि अगर गर्भ में पल रहा बच्चा 5 महीने से ज्यादा का है, तो कानून उसे एक व्यक्ति मानता है.

बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, बस रेलिंग से टकराई; 4 की मौत

-ड्राइवर को नींद की झपकी लगने से हुआ हादसा, 36 यात्रियों से भरी थी बस

बेंगलुरु,बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक निजी बस सड़क किनारे लगी रेलिंग से टकरा गई।पुलिस के अनुसार, बस में कुल 36 यात्री सवार थे और यह केरल से बेंगलुरु की ओर जा रही थी। हादसा सुबह के समय हुआ, जब बस तेज रफ्तार में थी और अचानक चालक ने वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस चालक को नींद की झपकी लग गई थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। नियंत्रण खोने के बाद बस करीब 100 मीटर तक रेलिंग से रगड़ती चली गई, जिससे वाहन को भारी नुकसान पहुंचा और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

पश्चिम एशिया संकट पर लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा- कोरोना काल जैसी एकजुटता जरूरी

यह केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक संकट, तेल-गैस आपूर्ति, अर्थव्यवस्था और भारतीयों की सुरक्षा पर सरकार सतर्क, वैकल्पिक स्रोतों पर भी तेज प्रयास

नई दिल्ली, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आज सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में स्थिति पर विस्तृत बयान देते हुए कहा कि देश को कोरोना काल की तरह धैर्य और एकजुटता के साथ हर चुनौती का सामना करना होगा। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के वैश्विक असर को देखते हुए उनका यह संबोधन बेहद अहम माना जा रहा है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि मौजूदा संकट का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक है और इससे अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में तेल आयात, खाद आपूर्ति और व्यापार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की समीक्षा की गई।

पीएम मोदी ने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के लिए कच्चा तेल, गैस और उर्वरकों की बड़ी आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। मौजूदा संघर्ष के कारण इस क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही चुनौतीपूर्ण हो गई है। इसके बावजूद सरकार का प्रयास है कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति बाधित न हो। पीएम मोदी ने बताया कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिसमें एलपीजी का लगभग 60 प्रतिशत शामिल है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ वैकल्पिक सप्लायर्स से संपर्क में है, ताकि आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित न हो। साथ ही, उर्वरकों के वैकल्पिक स्रोतों पर भी मंथन किया जा रहा है, जिससे किसानों को भविष्य में किसी तरह की कमी का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस युद्ध ने भारत के सामने आर्थिक, सामरिक और मानवीय तीनों तरह की चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने प्रभावित देशों में मौजूद भारतीयों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों कोसुरक्षित स्वदेश लाया जा चुका है।

अब युद्ध का असर सीधे भारतीय किसानों पर, 30 फीसदी महंगे हो जाएंगे कीटनाशक

चीन ने बढ़ाई कीमतें और निर्यात में भी की कटौती, ग्लोबल सप्लाई चेन पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का असर अब सीधे भारतीय किसानों पर पड़ रहा है। एग्रोकेमिकल इंडस्ट्री के मुताबिक आने वाले दिनों में कीटनाशकों की कीमतों में 25 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में होने जा रही है जब खरीफ सीजन शुरू होने वाला है और किसानों को कीटनाशकों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इससे खेती की लागत में सीधा इजाफा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक एग्रोकेमिकल कंपनियों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण नए प्रोडक्ट अब महंगे दामों पर मिलेंगे। एक बड़ी कंपनी के अधिकारी के हवाले से बताया कि अप्रैल से कीमतों में बढ़ोतरी दिखनी शुरू हो जाएगी। साथ ही घरेलू बाजार में उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है और निर्यात पर भी असर पड़ने की आशंका है। युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिसका सीधा असर पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर पड़ा है। पेट्रोकेमिकल्स के दाम 25-30फीसदी तक बढ़े हैं। पैकेजिंग लागत भी 15-30फीसदी बढ़ी है। सल्फर और पेट्रोकेमिकल्स कीटनाशक बनाने में प्रमुख कच्चा माल हैं, इसलिए कंपनियों के लिए लागत बढ़ना तय है। कीटनाशकों में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश केमिकल्स चीन से आते हैं, लेकिन चीन ने कीमतें बढ़ा दी हैं और निर्यात में भी कटौती कर दी है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ गया है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक चीन में चल रही अंतरराष्ट्रीय बैठक के बाद स्थिति और साफ हो सकती है।

सर्दियों की मावठ मार्च में गिर रही, अप्रैल तक रहेगा ठंडा मौसम, गर्मी से मिलेगी राहत

इस साल मौसम ने सामान्य पैटर्न बदला, यह देरी से सक्रिय हुई मावठ का असर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। यूपी के साथ दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से बारिश का मौसम बना हुआ है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने बेमौसम बारिश के पीछे का कारण बताया है इसके साथ ही कहा है कि अप्रैल भी ठंडा रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक मावठ के कारण ऐसा हो रहा है। दिसंबर से जनवरी के बीच होने वाली मावठ इस बार लेट हो रही है।

जानकारों के मुताबिक इस साल मौसम ने सामान्य पैटर्न को बदल दिया है। आमतौर पर जनवरी में होने वाली सर्दियों की बारिश इस बार मार्च में देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के संकेत हैं कि इसका असर अप्रैल तक जारी रह सकता है। वैज्ञानियों के मुताबिक यह देरी से सक्रिय हुई मावठ का असर है। यह उत्तरी-पश्चिमी भारत में सर्दियों के दौरान होने वाली खास तरह की बारिश है। अब तक दो महीने लेट हो चुकी बारिश आने वाले दिनों में कई स्पैल में जारी रह सकती है। इसके लिए पश्चिम से आने वाली हवाएं और वातावरण में बढ़ी नमी जिम्मेदार है। यही कारण है कि दिल्ली, यूपी और आसपास के इलाकों में अप्रैल में भी तेज हवाएं, आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

इनोविजन का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवाएं देने वाली कंपनी इनोविजन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 519 रुपये के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 10.21 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। दूसरी ओर, एनएसई पर यह 9.88 प्रतिशत टूटकर 467.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 914.67 करोड़ रुपये रहा।

भारत में जीएलपी-1 दवाओं के बाजार में जेनेरिक क्रांति

मुंबई। सेमाग्लूटाइड की पेटेंट अवधि समाप्त होने के बाद भारत में ग्लूकागॉन लाइक पेप्टाइड (जीएलपी-1) दवाओं के जेनेरिक संस्करण बाजार में उपलब्ध हो गए हैं। अब तक कम से कम 15 जेनेरिक दवाएं लॉन्च हो चुकी हैं, जिससे ब्रांडेड दवाओं की कीमतों में 70 से 90 प्रतिशत तक की कमी आई है। जीएलपी-1 एगोनिस्ट दवाएं मधुमेह नियंत्रित करने, वजन घटाने और भूख कम करने में मदद करती हैं। ये खास तौर पर टाइप-2 डायबिटीज और मोटापे के मरीजों के लिए उपयोगी हैं और आमतौर पर साप्ताहिक एक बार इंजेक्शन के रूप में ली जाती हैं।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात में 510 मेगावाट की नई परियोजनाएं शुरू कीं

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 510 मेगावाट की नई बिजली परियोजनाओं को चालू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को यह सूचना दी। इन परियोजनाओं के साथ कंपनी की कुल संचालित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 17,982.3 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह 510.1 मेगावाट की परियोजनाएं कंपनी की अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से संचालित की गई हैं। कंपनी ने बताया कि आवश्यक सरकारी मंजूरियों के बाद इन संयंत्रों को 22 मार्च से चालू किया गया।

1 अप्रैल से कई बड़े लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून में पैन कार्ड की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। सरकार का दावा है कि नए नियम नौकरीपेशा, व्यवसायी और मध्यम वर्ग के लिए सुविधा बढ़ाएंगे, लेकिन कई तरह के लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे। नई वित्तीय वर्ष से पैन कार्ड के बिना कई बड़े लेनदेन पूरे नहीं होंगे। इनमें शामिल हैं- 10 लाख रुपये से अधिक लेनदेन, 5 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के वाहन की खरीद, महंगे होटल बुकिंग, 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाली संपत्ति की खरीद या बिक्री।

जंग में झुलस रहा है भारत और रुस का व्यापार 9 लाख 40 हजार करोड़ के कारोबार पर संकट

नई दिल्ली। ईरान,इजराइल और अमेरिका की जंग को करीब एक महीना होने वाला है। इससे दुनिया के तमाम देशों को भारी नुकसान हुआ है। भारत और रुस की बात करें तो दोनों देशों का साढ़े 9 लाख करोड़ से अधिका का कारोबार संकट में पड़ा हुआ है। चाबहार बंदरगाह के बाद अब ईरान के प्रमुख पोर्ट सिटी बंदर-ए-अंजली पर हुए एरियल अटैक ने भारत के लिए एक नया संकट खड़ा कर दिया है। यह शहर भारत और रूस द्वारा विकसित किए जा रहे इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का सबसे अहम केंद्र माना जाता है।

बंदर-ए-अंजली पर हुए इन हमलों ने भारत और रूस के बीच साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर (लगभग 9 लाख करो? रुपये) तक ले जाने के लक्ष्य को बड़ा झटका दिया है। कैस्पियन सागर के तट पर स्थित यह बंदरगाह रूस-ईरान व्यापार और भारत से आने वाले माल के लिए एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब है। 18 मार्च को हुए हमले में कस्टम हाउस समेत कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुँचा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले से विश्वसनीयता और सुरक्षा पर सवाल ख? हो गए हैं, जिससे भविष्य में माल ढुलाई और बीमा की दरों में भारी वृद्धि होना तय है। लगभग 7200 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर मुंबई को सेंट पीटर्सबर्ग से जोड़ता है। यह स्वेज नहर के पारंपरिक मार्ग को बाईपास करते हुए एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को सस्ता और तेज बनाने के लिए तैयार किया गया था। इस मल्टी-मोडल नेटवर्क के जरिए माल ढुलाई का समय 25-30 दिनों से घटकर मात्र 7 दिन रह जाता है। अब तक सुरक्षित माने जाने वाले इस रूट पर सैन्य हमलों से मध्य एशियाई देशों की व्यापारिक योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। इसके अतिरिक्त, होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में ब?ते तनाव ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और तेल आपूर्ति के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। इस गंभीर स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर चर्चा कर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हो रहे हमलों की निंदा की है। भारत ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। वहीं, रूस ने भी इसे अपनी प्राथमिक परियोजनाओं पर बड़ा प्रहार माना है। इस कॉरिडोर की भविष्य की रणनीति पर चर्चा के लिए मॉस्को में एक उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की जा रही है। अगर इन हमलों पर लगाम नहीं लगी, तो यह न केवल भारत-रूस संबंधों बल्कि वैश्विक व्यापार के लिए अपूरणीय क्षति साबित हो सकता है।

भारतीय परिवारों के घरों में रखा सोना अब देश की जीडीपी से भी बड़ा

- जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 445 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। भारतीयों का सोने के साथ रिश्ता केवल निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, सांस्कृतिक महत्व और सुरक्षा की भावना से भी जुड़ा हुआ है। लेकिन हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि यह संबंध अब देश की पूरी अर्थव्यवस्था (जीडीपी) को भी पीछे छोड़ चुका है। जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 445 लाख करोड़ रुपये) को पार कर चुकी है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार 2025-26 में भारत की कुल जीडीपी 4.125 ट्रिलियन डॉलर रहने की उम्मीद है। यानी भारतीय घरों में रखा सोना देश की सालाना कमाई से लगभग 125 फीसदी अधिक मूल्यवान है। सीधे शब्दों में कहें, अगर भारत के सभी घरों का सोना एक साथ रखा जाए, तो यह पूरी देश की अर्थव्यवस्था से अधिक मूल्यवान साबित होगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की ताजा रिपोर्ट इस आंकड़े को और दिलचस्प बनाती है। जनवरी 2026 तक घरों में रखा सोना बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों की कुल मार्केट कैप (460 लाख करोड़ रुपये) के लगभग बराबर पहुंच चुका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीयों का भरोसा बैंक डिपॉजिट या शेयर बाजार से कहीं अधिक सोने पर है। आज घरों में जमा सोने की कीमत बैंकों और शेयर बाजार में निवेश के कुल योग का 1.75 गुना है। पिछले कुछ सालों में सोने के प्रति दीवानगी तेजी से बढ़ी है; मार्च 2019 में घरों में रखे सोने की वैल्यू 109 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब चार गुना बढ़ चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब पैसा सोने में बंधा रहता है तो यह डेड एसेट बन जाता है और बाजार में घूमकर विकास में योगदान नहीं करता। इसके अलावा, भारत अपनी सोने की जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए यह घरेलू पूंजी का बाहर जाना भी माना जाता है। वर्तमान में भारतीयों की गैर-रियल एस्टेट संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा केवल सोने में बंद है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, निवेशकों के करीब 14 लाख करोड़ रुपए डूबे

सेंसेक्स 1,836 अंक, निफ्टी 601 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों में गिरावट के साथ ही बिकवाली हावी होने से भी बाजार टूटा। मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। अमेरिका और इजरायल और ईरान के बीच युद्ध लंबा चलने की आशंका से भी निवेशक बाजार से दूरी बनाये रखी। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,836.57 अंक नीचे अकर 72,696.39 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 601.85 अंकों की गिरावट के साथ ही 22,512.65 पर खिसक गया। अमेरिकी-ईरान युद्ध के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के कारण तेज की कीमतें बढ़ने की आशंका से भी दुनिया भर के बाजार में गिरावट रही। इसी से घरेलू बाजार पर भी दबाव आया।

इंट्रा-डे कारोबार में सेंसेक्स 73,732.58 पर खुलकर एक समय 1974.5 अंक करीब 2.64 फीसदी गिरकर 72,558.44 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी50 22,824.35 पर खुलकर एक समय 643 अंक या 2.75 फीसदी टूटकर 22,471.25 पर आ गया।निफ्टी इंडिया अस्थिरता सूचकांक में 19.11 फीसदी बढ़कर 27.17 पर पहुंच गया है। यह कारोबार के अंत में 17.17 फीसदी की बढ़त के साथ 26.73 पर बंद हुआ।वहीं व्यापक बाजारों में बेंचमार्क सूचकांकों से ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप में जहां 3.90 फीसदी की गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 3.94 फीसदी की गिरावट आई। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी कंस्ट्रक्शन ड्यूरेबल में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट आई नुकसान वाला क्षेत्र बन गया। निफ्टी रियल्टी 4.74 फीसदी की गिरावट और निफ्टी मेटल 4.97 फीसदी की गिरावट रही।

तमिलनाडु में टमाटरों की कीमतों में भारी गिरावट, किसानों ने तुड़ाई की बंद

थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति के चलते कीमतों में आई तेज गिरावट

चेन्नई। तमिलनाडु के कई जिलों में टमाटर उत्पादक गंभीर संकट में हैं क्योंकि बाजार की कीमतों में भारी गिरावट आई है। इसके चलते वे अपनी लागत तक वसूल नहीं कर पा रहे हैं। कई इलाकों में किसानों ने कटाई बंद कर दी है और कम दाम मिलने के कारण पूरी तरह तैयार फसल को खेतों में ही छोड़ दिया है। कीमतों में इस अचानक गिरावट का कारण कई उत्पादन क्षेत्रों से भारी मात्रा में आपूर्ति होना बताया जा रहा है, जिससे थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति हो गई है।

इसके चलते कम समय में ही कीमतों में तेज गिरावट आई, जिससे किसान हैरान रह गए और फसल के चरम सीजन में उनकी अपेक्षित आय प्रभावित हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारियों द्वारा पिछले हफ्तों की तुलना में काफी कम दाम दिए जा रहे हैं, जिन किसानों ने खेती में भारी निवेश किया था, वे अब संचालन लागत संभालने में संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि बाजार अतिरिक्त आपूर्ति को समाहित नहीं कर पा रहा है। बढ़ती मजदूरी लागत ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि कटाई और परिवहन की लागत ज्यादा होने से मौजूदा कीमतें खर्च को भी पूरा नहीं कर पा रही हैं।

इसी वजह से नुकसान कम करने के लिए कटाई रोकने का चलन बढ़ रहा है। डिंडीगुल के किसानों ने बताया कि 14 किलोग्राम के एक टमाटर बॉक्स की कीमत घटकर 100 से 150 रुपए रह गई है, जबकि कुछ हफ्ते पहले यह 400 से 600 रुपए थी। वहीं, मजदूरी लागत करीब 400 रुपये प्रतिदिन है। रिपोर्ट के मुताबिक गिरती कीमतों और बढ़ती लागत के संयुक्त प्रभाव से कई किसानों ने नुकसान से बचने के लिए तोड़ाई बंद कर दी है। कई किसानों ने स्थिर बाजार की उम्मीद में खेती का विस्तार किया था लेकिन अब वे बढ़ते आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। कटाई की लागत लगभग 80 रुपए प्रति बॉक्स आंकी जा रही है लेकिन मौजूदा बाजार मूल्य बुनियादी खर्च भी नहीं निकाल पा रहा, जिससे किसानों का नुकसान और बढ़ रहा है।

अब 14.2 किलो के रसोई गैस सिलेंडर में मिलेगी सिर्फ 10 किलो गैस?

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। खाड़ी देशों से एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद तेल विपणन कंपनियां घरेलू सिलेंडरों में गैस की मात्रा कम करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पारंपरिक 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में केवल 10 किलोग्राम गैस भरकर वितरण करने की योजना पर चर्चा हो रही है, ताकि सीमित स्टॉक को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जा सके। इस संकट की बड़ी वजह स्ट्रेट आफ होर्मुज में पैदा हुई बाधाएं हैं, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस मार्गों में से एक है। मौजूदा हालात में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे भारत आने वाली गैस सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि कई एलपीजी टैंकर इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जिससे आने वाले दिनों में किल्लत की आशंका और गहरा सकती है। यदि सिलेंडर में गैस की मात्रा कम करने का फैसला लागू होता है, तो कंपनियों को अपने बॉटलिंग प्लांट में बदलाव करने होंगे और नई मात्रा के अनुसार कीमतें भी तय करनी होंगी। अधिकारियों का मानना है कि 10 किलो गैस एक औसत परिवार के लिए लगभग एक महीने तक पर्याप्त हो सकती है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सरकार फिलहाल सप्लाई को सामान्य बनाए रखने की कोशिश कर रही है और उपभोक्ताओं से गैस के सीमित उपयोग की अपील भी की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हालात और बिगड़ते हैं, तो ऊर्जा सुरक्षा को लेकर और कड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

भू-राजनीतिक तनाव के बीच क्रूड की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान

- ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा

नई दिल्ली। वैश्विक तेल बाजार में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए कच्चे तेल की कीमतों का अनुमान काफी बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में भारी बाधा वैश्विक क्रूड बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक बन सकती है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत अब 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड का अनुमान भी बढ़ाकर 79 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। यह जानकारी बैंक के विश्लेषक ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति छह हफ्तों तक केवल 5 फीसदी क्षमता पर बनी रहती है, तो पश्चिम एशिया में उत्पादन नुकसान 1.1 करोड़ बैरल/दिन से बढ़कर 1.7 करोड़ बैरल/दिन तक पहुंच सकता है। आपूर्ति बहाल होने में चार हफ्ते लगने पर कुल नुकसान 800 मिलियन बैरल से अधिक हो सकता है। बैंक ने चेतावनी दी है कि यह अभूतपूर्व संकट नीति निर्माताओं और निवेशकों को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की संरचनात्मक कमजोरियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। तेल बाजार पर अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर साफ दिखा। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

भारत के खाद सेटर पर पश्चिम एशिया संकट का असर, उत्पादन फिलहाल सुरक्षित

- यूरिया और अमोनिया जैसी प्रमुख खादों की कीमतों में आई तेजी

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव और अमेरिका-ईरान टकराव ने वैश्विक कमोडिटी बाजार में हलचल बढ़ा दी है। इसका असर अब भारत के खाद्य उद्योग पर भी दिखाई देने लगा है। यूरिया और अमोनिया जैसी प्रमुख खादों की कीमतों में तेजी आई है, जबकि गैस महंगी होने और सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ने से उत्पादन लागत में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार यूरिया उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस सबसे अहम कच्चा माल है। गैस की कीमत में हर 1 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की बढ़ोतरी सरकार के सब्सिडी बिल में करीब 4,500₹5,000 करोड़ रुपये का इजाफा कर सकती है। आयातित यूरिया भी महंगा हो रहा है, जिससे किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार को ज्यादा सब्सिडी देनी पड़ सकती है। जहां यूरिया और अमोनिया की कीमतें बढ़ रही हैं, वहीं फॉस्फेट आधारित उर्वरक फिलहाल स्थिर बने हुए हैं। इसके प्रमुख कच्चे माल जैसे रॉक फॉस्फेट और फॉस्फोरिक एसिड अफ्रीका और चीन से आते हैं, जहां सप्लाई फिलहाल बाधित नहीं हुई है। हालांकि अमोनिया और सल्फर जैसे कच्चे माल पर जोखिम बना हुआ है, क्योंकि इनकी सप्लाई का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। भारत की अमोनिया की लगभग 70 फीसदी और सल्फर की करीब 90 फीसदी जरूरत पश्चिम एशिया से पूरी होती है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित होने पर कच्चे माल की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। लेकिन कंपनियां रूस और चीन से वैकल्पिक सप्लाई कर सकती हैं, जिससे उत्पादन पूरी तरह प्रभावित नहीं होगा, हालांकि लागत बढ़ सकती है।

सराफा बाजार में 'ब्लैक मंडे', सोना-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

- सोना 7,000 गिरकर 1,37,462 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 13,000 से अधिक टूटी

नई दिल्ली । सराफा बाजार खुलते ही सोना और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों के बीच हड़कंप मच गया। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना अपने हालिया रिकॉर्ड स्तर से लगभग 5 फीसदी तक टूट गया। अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना करीब 7,000 रुपए गिरकर लगभग 1,37,462 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

वहीं चांदी की कीमतों में और भी तेज गिरावट देखी गई, जो लगभग 6 फीसदी फिसलकर 13,000 से अधिक टूटते हुए करीब 2,13,290 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट के पीछे कई वैश्विक कारण जिम्मेदार हैं। अमेरिकी डॉलर की मजबूती से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग कमजोर हुई है। इसके अलावा, पिछले एक साल में सोने ने करीब 70 फीसदी तक का मजबूत रिटर्न दिया था, जिसके चलते बड़े निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी है। शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव ने भी निवेशकों को सोना बेचने के लिए प्रेरित किया है। मिड्लि ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद सोने की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इसकी मुख्य वजह बढ़ती ब्याज दरों की आशंका है, जिससे बिना ब्याज वाले निवेश जैसे सोना कम आकर्षक हो जाता है।

चीन ने तिब्बत में भारतीय व्यापारियों के लिए बनाई पक्की दुकानें, व्यापारी उत्साहित

-जून में होंगी आवंटित, यह कदम सीमा व्यापार को देगा बूस्ट, अर्थव्यवस्था होगी मजबूत

पिथौरागढ़। चीन ने तिब्बती क्षेत्र तकलाकोट में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय व्यापारियों के लिए पक्की दुकानें तैयार की हैं। पहली बार भारतीय व्यापारी पक्की दुकानों में बैठकर कारोबार करेंगे। सीमावर्ती इलाकों में स्थानीय व्यापारी चीन के इस कदम से खुश हैं। पिथौरागढ़ जिला प्रशासन का कहना है कि संभव है कि जून से भारतीय व्यापारियों को आवंटित हो सकती हैं। पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय से 300 किमी दूर स्थित इस बॉर्डर पॉइंट पर वर्षों से व्यापार होता रहा है, लेकिन अब सुविधाएं अपग्रेड हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत-चीन व्यापार समिति के महासचिव के मुताबिक 2019 तक जब व्यापार जारी रहा, तब तक भारतीय व्यापारियों के लिए यहां पक्की दुकानों की व्यवस्था नहीं थी। वे अस्थायी दुकानों के जरिए नेपाली व्यापारियों के साथ मिलकर कारोबार करते थे। अब तकलाकोट में सभी व्यापारियों के लिए अलग-अलग पक्की दुकानें बनाई जा रही हैं। पिथौरागढ़ डीएम ने विभागों को विस्तृत प्लान तैयार करने के आदेश दिए। बीएसएनएल को सीमा क्षेत्र में नेटवर्क-संचार सुदृढ़ करने को कहा। गुंजी में शौचालय, पर्यटन सुविधाएं विकसित करने के लिए जिला पंचायत और पर्यटन विभाग सक्रिय। बता दें लिपुलेख दर्रे के पास स्थित तकलाकोट उत्तराखंड का प्रमुख ट्रेड हब है। ऊनी कपड़े, नमक, घी जैसे सामान का आदान-प्रदान होता है। यह कदम सीमा व्यापार को बूस्ट देगा, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत करेगा। तकलाकोट में भारत और चीन के बीच कोरोना काल से व्यापार बंद है।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

मंगलवार, 24 मार्च 2026

प्रभारी मंत्री राधा सिंह आज मैहर के विभिन्न कार्यक्रमों में होंगी शामिल

मैहर मध्यप्रदेश शासन की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह 24 मार्च को प्रातः 5.40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से मैहर आयेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री प्रातः 8 बजे मां शारदा देवी के दर्षन करेंगी। इसके बाद प्रभारी मंत्री प्रातः 10 बजे सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी तथा प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के अधिकारियों की बैठक लेंगी।

एक लाख से अधिक भक्तों ने किए मैहर में मां शारदा देवी के दर्शन

मैहर चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मैहर के मां शारदा देवी मंदिर में भक्त श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। प्रषासन की चौक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच भक्त-श्रद्धालु उत्साहपूर्वक आस्था के साथ मां शारदा देवी के सुगमता से दर्शन कर रहे है। चैत्र नवरात्रि के पांचवें दिन सोमवार को देश के कोने-कोने से आये 1 लाख 14 हजार 566 दर्शनार्थियों ने सायं 4 बजे तक मैहर पहुंचकर सुगमता से शारदा माता के दर्शन किये। इनमें 1 लाख 13 हजार 54 श्रद्धालु पैदल मार्ग से तथा 1 हजार 512 वैन मार्ग से मंदिर माता के दरबार में पहुंचे। नवरात्रि पर्व के चलते मंदिर परिसर में लगातार भक्तों की भीड़ बनी हुई है।

जिला सलाहकार समिति की बैठक 26 मार्च को

सतना गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एण्ड पीएनडीटी) के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक 26 मार्च को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सतना में सायं 4 बजे से आयोजित की गई है।

मैहर में जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक 25 मार्च को

मैहर अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संशोधित 2016 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में 25 मार्च 2026 को सायं 5 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में आयोजित गई है। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग ने बताया कि बैठक में अधिनियम 1989 के अंतर्गत नियम 1995 संशोधित 2016 के तहत विभिन्न उपबंधों के तहत विभिन्न श्रेणी के प्रकरण स्वीकृत और भुगतान राशि, विभिन्न श्रेणी के पीड़ितो को स्वीकृत एवं भुगतान राशि, अधिनियम के अंतर्गत विचाराधीन एवं निराकृत मामलों एवं पुलिस में दर्ज प्रकरण और अनुसंधान में लंबित मामलों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

नवीन शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल से, शत-प्रतिशत नामांकन व उपस्थिति पर जोर

सीधी वर्ष 2026-27 का शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। इसके तहत कक्षा 1 से 12 तक सभी विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अध्ययनरत विद्यार्थियों को अगली कक्षाओं में प्रवेश दिलाने तथा कक्षा 1 में नवीन प्रवेश की प्रक्रिया समयपूर्व प्रारंभ कर दी गई है। एजुकेशन पोर्टल 3.0 में सभी विद्यार्थियों का डाटा 31 मार्च तक अद्यतन किया जाएगा।

श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर प्राकट्य पर्व 27 मार्च को चित्रकूट में

सतना भगवान श्रीराम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी अनेक आख्यान, जनश्रुति प्रचलित हैं, जो आम जनमानस में विश्वास के रूप में मान्य है। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव की गरिमा अनुरूप धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है।

परसमनिया और मझगवां के पेयजल समस्या मूलक गांवों का भ्रमण करें :कलेक्टर

औद्योगिक क्षेत्र कोठी की जमीन का गलत सीमांकन करने पर आर.आई. सस्पेंड

घरेलु गैस की किल्लत नहीं होनी चाहिए टीएल बैठक में कलेक्टर के निर्देष

सतना कीर्तिप्रभा कलेक्टर डॉ. सतीष कुमार एस ने आगामी ग्रीष्मकाल में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देष दिये है। उन्होंने कहा कि जल निगम और पीएचई के अधिकारी परसमनिया और मझगवां के पहाड़ी अंचल के ग्रामों का सतत भ्रमण करें और पेयजल की उपलब्धता बनाये रखने के प्रयास करें। घरेलु गैस सिलेण्डर की आपूर्ति और वितरण सुचारू रूप से कराने और जमाखोरी रोकने के लिए जिला आपूर्ति अधिकारी और सभी एसडीएम को डीलर पाइन्टस एवं अन्य स्थानों पर आकस्मिक निरीक्षण करने और डिस्ट्रीब्यूटरों की नियमित बैठक बुलाकर समीक्षा करने के निर्देष दिये। सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, आर.एन. खरे, एलआर जांगडे, सुमेष द्विवेदी सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या मूलक ग्रामों का एसडीएम, जनपद सीईओ और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी नियमित भ्रमण निरीक्षण करें। सीएम हेल्पलाइन में सतना जिले की 392 घरेलू गैस संबंधी षिकायतें लंबित रहने पर जिला आपूर्ति अधिकारी के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटरों की नियमित अंतराल पर बैठक लेकर आपूर्ति वितरण की समीक्षा करें। क्षेत्र भ्रमण के दौरान वितरण केन्द्र और खाद्य संस्थानों की आकस्मिक जांच करें। घरेलु गैस के व्यवसायिक उपयोग और जमाखोरी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए विहित प्राधिकारी के समक्ष प्रकरण दर्ज कराये। औद्योगिक क्षेत्र कोठी के लिए नयागांव में आवंटित 50 एकड़ जमीन में गलत सीमांकन कर निजी व्यक्ति की जमीन निकालने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए तहसीलदार को संबंधित आर.आई. और पटवारी के विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव भेजने के निर्देष दिये। बताया गया कि सीमांकन के दौरान पटवारी द्वारा शासकीय भूमि होने संबंधी जानकारी दिये जाने के बावजूद आर.आई. द्वारा किसी निजी व्यक्ति का सीमांकन कर देने पर कलेक्टर ने आर.आई. को निलंबित कर चार्जषीट देने और सीआर में फील्ड में पोस्टिंग नहीं करने की टीप अंकित करने के निर्देष दिये।

आम आदमी पार्टी के जिला समन्वयक बनाए गए शिवम समदरिया

रीवा कीर्तिप्रभा आम आदमी पार्टी ने संगठन विस्तार और डिजिटल मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिले के 22 वर्षीय युवा सामाजिक कार्यकर्ता शिवम समदरिया श्पंडितश् को सोशल मीडिया विंग रीवा का जिला समन्वयक नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से पार्टी में खासतौर पर युवाओं के बीच उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ है। जानकारी के अनुसारए शिवम पँडित ग्राम दादरएपोस्ट केंउटीए विधानसभा क्षेत्र सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के निवासी हैं। बेहद कम उम्र में सामाजिक कार्यों और जनसेवा के प्रति सक्रियता ने शिवम को एक अलग पहचान दिलाई है। क्षेत्रीय मुद्दों को उठानेएयुवाओं को जागरूक करने और सामाजिक अभियानों में भागीदारी के कारण वे लगातार युवाओं के बीच सक्रिय हैं। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष राजीव सिंह परिहार शेरा ने शिवम की नियुक्ति को संगठन के लिए दूरगामी निर्णय बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया जनसंपर्क का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका हैए ऐसे में शिवम जैसे ऊर्जावान और तकनीकी समझ रखने वाले युवा के हाथों में यह जिम्मेदारी सौंपना पार्टी के लिए लाभकारी साबित होगा। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि वे पार्टी की नीतियों विचारधारा और जनहित के मुद्दों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। शिवम पंडित ने अपनी नियुक्ति पर आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवालएप्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र चौरसिया एवं जिलाध्यक्ष राजीव सिंह परिहार शेरा के साथ ही पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। शिवम पंडित ने कहा कि वे संगठन को मजबूत करनेएयुवाओं को जोड़ने और जनता की आवाज को सोशल मीडिया के माध्यम से बुलंद करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इस नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शिवम समदरिया के नेतृत्व में सोशल मीडिया विंग नई ऊंचाइयों को छुएगा और रीवा जिले में पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी। यह नियुक्ति न केवल युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने का संकेत हैए बल्कि आने वाले समय में संगठन के विस्तार की नई संभावनाओं को भी दर्शाती है।

श्रद्धांजलि एवं स्वरांजलि संगीत संध्या का आयोजन

मैहर कीर्तिप्रभा । सुरों के अमर साधक स्वर्गीय पद्म विभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र की स्मृति एवं उनके शिष्य स्वर्गीय प्रशांत जैन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को श्रद्धांजलि एवं स्वरांजलि संगीत संध्या का आयोजन सरना पैलेस मैहर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन एवं मां शारदादेवी की पूजा अर्चना के साथ किया गया। स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर कैलाश जैन द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति पंडित विनोद मिश्र के द्वारा राग यमन ऐसो बनरा बन आयो से की गई। अगली प्रस्तुति विद्या दानी दया निधि दया करो की दी गई। द्वितीय प्रस्तुति पंडित रामकुमार मिश्र एवं पंडित राहुल मिश्रा की तबले में जोरदार जुगलबंदी प्रस्तुति दी गई। तदुपरांत पंडित अभय रुस्तम सोपोरी, शशांक मिश्रा, अमन जैन एवं आयुष मिश्रा की प्रस्तुति दी गई जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन सतीश मिश्रा द्वारा एवं आभार जयंत जैन द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड, रामनिवास उरमलिया, आरके सिंह, धर्मेश घई, सतविंदर सिंह सरना, विश्वनाथ चौरसिया, पीएल द्विवेदी, रमापति गौतम, देवेंद्र पांडेय, कोमलचंद्र जैन, संजय जादवानी, इंद्रजीत सिंह मैनी, राजलल्लन मिश्रा, संजय गुप्ता सहित हजारों की संख्या में श्रोताओं की उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री जिला चिकित्सालय का भी निरीक्षण कर लेते तो आम जनता का होता भला: ज्ञान सिंह

सीधी कीर्तिप्रभा । जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के सीधी जिले के औचक निरीक्षण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अपने नेताओं के दबाव में कलेक्टर को हटाना तो आसान हैए लेकिन यदि मुख्यमंत्री वास्तव में जनहित और प्रशासनिक व्यवस्था की सच्चाई जानने के उद्देश्य से जिले में आए थेए तो उन्हें जिले के एकमात्र शासकीय जिला चिकित्सालय का भी निरीक्षण अवश्य करना चाहिए था।

ज्ञान सिंह ने आरोप लगाया कि जिला चिकित्सालय की स्थिति अत्यंत दयनीय और चिंताजनक है। अस्पताल में डॉक्टरोंए दवाइयोंए बेड और नर्सिंग स्टाफकी भारी कमी बनी हुई है। मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैंए एक्स.रे रिपोर्ट तक की प्रतियां मोबाइल से फोटो खींचकर दी जा रही हैंए जो स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में खुलेआम आवारा पशु घूमते नजर आते हैंए साफसफाई का अभाव है और पार्किंग के नाम पर आम जनता से खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है। इन अव्यवस्थाओं के वीडियो कई बार सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैंए लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने आंखें मूंद रखी हैं। ज्ञान सिंह ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि वे वास्तव में जनता के प्रति जवाबदेह होतेए तो मुख्यमंत्री को जिला चिकित्सालय की जमीनी हकीकत दिखाने का साहस करते। लेकिन उन्होंने ऐसा करना उचित नहीं समझाए जिससे साफजाहिर होता है कि वे जनता की समस्याओं से पूरी तरह कट चुके हैं।

शिकायत पुस्तिका गायबए हवा.पानी की भी नहीं मिलती सुविधा

उपभोक्ताओं की समस्याओं की होती है अनदेखी

सीधी कीर्तिप्रभा । नियम के अनुसार पेट्रोल.डीजल क्रय करने हेतु पंप पर आने वाले वाहनों में निरूशुल्क हवा भरनेए शुद्ध पेयजल और शिकायत पुस्तिका की सुविधा प्राप्त करना उपभोक्ताओं का अधिकार है। पंप संचालक कंपनियों के साथ होने वाले अनुबंध में उपभोक्ताओं को सुविधाएं मुहैया कराए जाने का वादा करते हैं। यह बात अलग है कि उनके द्वारा व्यावहारिक रूप से ऐसा बिल्कुल नहीं किया जाता। उपभोक्ताओं को सुविधा दिलाने का वादा करके पेट्रोल पंप खोलने वाले संचालकों ने सारे नियमों की धज्जियां उड़ा रखी हैं। ९० प्रतिशत पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को मिलने वाली सुविधाएं पूरी तरह से नदारद है। इसके बावजूद कंपनियों द्वारा अपने डीलरों पर कार्रवाई नहीं कर उपभोक्ताओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। एक तो महंगाई की मार ऊपर से पेट्रोल पंप संचालकों की मनमानीए ऐसे में उपभोक्ता परेशान होते हैं।

मानकों के मुताबिक पेट्रोल पंप पर वाहन की मुफ्त में हवा जांच और भरवाने की सुविधा के साथ शुद्ध पेयजल तथा प्रसाधन जैसी अति आवश्यक सुविधा उपभोक्ता को दी जानी होती हैए लेकिन शहर के किसी भी पंपों पर उपभोक्ताओं को दी जाने वाली सुविधा पूरी तरह से बंद है। मानकों को ताक में रख पंप संचालक व कंपनी के अधिकारी मौज में है।

आंगनवाड़ी में 24 मार्च को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम होगा

मैहर कीर्तिप्रभा जिले के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्राथमिक शाला में सहज रूप से स्थानांतरित करने एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आंगनवाड़ी केन्द्रों में 24 मार्च को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस पहल के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों द्वारा दी जा रही प्रारंभिक शिक्षा की महत्ता को रेखांकित किया जायेगा तथा समुदाय में इन केन्द्रों को एक प्रामाणिक शैक्षणिक आधार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। इससे अभिभावकों को भी अपने बच्चों को नियमित रूप से आंगनवाड़ी केन्द्र मे भेजने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। मैहर जिले के सभी 980 आंगनवाड़ी केन्द्रों में चतुर्थ मंगलवार 24 मार्च 2026 को बाल चौपाल के अवसर पर उन बच्चों की ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित की जायेगी, जिन्होंने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा पूर्ण कर ली है तथा अब विद्यालय में प्रवेश के लिए पात्र है। इस अवसर पर बच्चों को विधिवत विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए जायेंगे। कार्यक्रम मे स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, प्राथमिक शाला के शिक्षकों तथा सहयोगी संस्थाओं को आमंत्रित किया जायेगा। ताकि इस पहल को सामुदायिक सहभागिता के साथ सफल बनाया जा सकें।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में सेवा भावना का संदेश, साप्ताहिक शिविर का शुभारंभ

सीधी कीर्तिप्रभा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत गोद ग्राम नौगवा धीर सिंह में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के निर्देशन में किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह के साथ स्वच्छता अभियान चलाकर स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर की साफ सफाई की।उद्घाटन अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा भावना का विकास होता है, जिससे वे समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनवार की प्राचार्य श्रीमती प्रतिभा भार्गव ने सभी का स्वागत करते हुए आश्वस्त किया कि शिविर के सफल संचालन हेतु विद्यालय द्वारा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।विभागाध्यक्ष भौतिकी डॉ. अरविंद त्रिपाठी ने अपने अनुभव साझा किए, वहीं कार्यक्रम का विषय परिचय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरुष इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सोनी ने प्रस्तुत किया।शिविर 29 मार्च 2026 तक संचालित होगा, जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण, जागरूकता रैली, बौद्धिक मंथन सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गंगा देवी बैरागी ने आभार व्यक्त किया।

शासकीय महाविद्यालय मझौली के स्वयंसेवको ने किया श्रमदान

जोबा में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

सीधी कीर्तिप्रभा । मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता भारती के मार्गदर्शन में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा और शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली सीधी के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। एनएसएस शिविर का मुख्य उद्देश्य सेवा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करते हुए व्यक्तित्व और चारित्रिक विकास करना तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप्रज्वलन के साथ की गई। स्वय सेवकों द्वारा प्रथम सत्र में योगाभ्यास एवं व्यायाम किया गया। सात दिवसीय शिविर में शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राघवेंद्र प्रताप सिंह उप सरपंच ग्राम पंचायत ;जोबाद्ध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि छात्रएसेवा भाव के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जगत प्रताप सिंह प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल जोबा स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक समाज और राष्ट्र के परिवर्तन तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता भारती ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय सेवा योजना में नेतृत्व क्षमताए अनुशासनए सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने का एक समावेशी मंच है। ऐसे शिविर विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने और उन्हें आत्मसात करने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में डॉ एस आर भारतीए प्रो रागिनी तिवारी डॉण् रेनू सिंहए डॉण् कोमल पांडे विजय भान सिंहए संतोष कुमार नामदेवमनीष सोनीसहित बड़ी संख्या में स्वयं सेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर संदीप कुमार शर्मा द्वारा किया गया। अंत में डॉक्टर असलेंद्र जायसवाल ;कार्यक्रम अधिकारी एनएसएसद्धद्वारा सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया गया।

गांव में घुसा एक दर्जन हाथियों का झुंड

एकड़ भर से अधिक फसल को किया नष्ट

ग्रामीणों ने ढोल.नगाड़ों की मदद से खदेड़ा

सीधी कीर्तिप्रभा । जिले के पोड़ी रेंज अंतर्गत आगरझिरिया बीट के ग्राम गांजर में रविवार रात करीब 10 बजे अचानक हाथियों का झुंड घुस आयाए जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। रातभर चले इस घटनाक्रम ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी और सुबह तक दहशत का माहौल बना रहा।

मिली जानकारी के अनुसार करीब एक दर्जन हाथियों का झुंड गांव में प्रवेश कर गया और खेतों में जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान 8 किसानों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। खास तौर पर दीपक यादव पिता मथुरा यादव के करीब 4 खेतों में लगी लगभग 1 एकड़ गेहूं की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। हाथियों ने सिर्फ फसल ही नहीं रौंदीए बल्कि सिंचाई के लिए लगाए गए मोटर पाइप को भी तोड़ दियाए जिससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी है।इस घटना की सूचना मिलते ही गांव के ही रमेश मिश्रा पिता वीरबल मिश्रा अपने घर के पास पहुंचे तो हाथी उनके घर में रखे अनाज को निशाना बना ही रहे थे तब तक और ग्रामीणों के साथ मिलकर हल्ला.गोहार मचाया। ढोल.नगाड़े बजाकर और शोर मचाकर हाथियों को किसी तरह जंगल की ओर भगाया गयाए जिसके बाद गांव वालों ने राहत की सांस ली।

बढ़ती जा रही वन्य जीवों की आवाजाही

बताया यह भी जा रहा है कि इस क्षेत्र के जंगलों में हाथियों सहित वन्य जीवों की आवाजाही पहले से बनी हुई हैए लेकिन इतनी बड़ी संख्या में एक साथ गांव में घुसने की घटना ने लोगों को डरा दिया है।

मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते है।
- महात्मा गांधी

ईरान, अमेरिका- इजरायल युद्ध में भारत को 15 से 20 लाख करोड़ का फटका ?

युद्ध अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच में चल रहा है। लेकिन इसका बड़ा असर भारत पर पडना शुरू हो गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार भारत को 15 से 20 लाख करोड रुपए का फटका लगना तय है। भारत सरकार अपनी अर्थव्यवस्था को कैसे संभालेगी, इसको लेकर राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर चिंता बढ़ रही है। सारी दुनिया में कच्चे तेल के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ाना शुरू हो गए हैं। युद्ध शुरू होने के पहले 65 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल के दाम थे, जो अब बढ़कर 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल हो गए हैं। इसी तरह डॉलर के मुकाबले जो रुपया 91 और 92 के बीच में झूल रहा था, वह 93 पार कर गया है। जल्द ही 100 के स्तर छूने की बात हो रही है। भारत लगभग 85 फीसदी तेल और गैस आयात करता है। कच्चा तेल और गैस महंगी होने का असर डालर और परिवहन लागत के कारण भारत में अन्य देशों की तुलना में ज्यादा होगा। तेल की कीमत बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिरने से लगभग 60000 करोड रुपए का अतिरिक्त फटका भारत को लगने जा रहा है। जब भी कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता है। ऐसी स्थिति में इसका असर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाइयां, केमिकल और खाद के दाम बढ़ते हैं। सरकार को महंगी दर पर खाद का आयात करना पड़ता है। सब्सिडी और कीमतें बढ़ने के कारण देश में सभी चीजें महंगी होंगी। महंगाई बढ़ने के कारण 4 से 5 लाख करोड रुपए का सरकारी खर्च बढ़ना तय है। भारत में इस युद्ध का असर सबसे ज्यादा होने जा रहा है। भारत का निर्यात कारोबार डॉलर के रेट बढ़ने से प्रभावित होगा। भारत से दुनिया के अन्य देशों में चॉवल, मसाले, टेक्सटाइल, मांस, फल, सब्जियां और समुद्री उत्पाद का निर्यात घट सकता है। यदि निर्यात में 2 से 5 फीसदी की कमी आती है। ऐसी स्थिति में कम से कम 90 हजार करोड़ और अधिकतम 2 लाख करोड रुपए का नुकसान भारतीय अर्थव्यवस्था में होने का अनुमान है। भारत में महंगाई बढ़ने के बाद आम लोगों की क्रय क्षमता कम होगी, ट्रांसपोर्ट महंगा होने के कारण हर वस्तु के दाम बढ़ेंगे, इसका असर जीडीपी में पड़ना तय है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, जीडीपी में 0.5 से लेकर 2 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। जो भारत के लिए बहुत बड़ा झटका साबित होगा। जीडीपी में गिरावट होने से एक लाख करोड़ से लेकर 4 लाख करोड रुपए का नुकसान होने की बात आर्थिक विशेषज्ञ करने लगे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, जिस तरीके से डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तरीके से ईरान, अमेरिका-इजरायल युद्ध का असर भारत पर पड़ रहा है। उसको देखते हुए भारत की अर्थव्यवस्था में 15 से 20 लाख करोड रुपए से अधिक का आर्थिक दबाव पडना तय है। इस युद्ध ने सारी दुनिया के देशों को हिला कर रख दिया है। यह युद्ध, तेल और ऊर्जा संकट के रूप में सारी दुनिया के देशों को प्रभावित कर रहा है। भारत को सबसे ज्यादा युद्ध इसलिए प्रभावित कर रहा है। भारत ने रूस और ईरान से तेल और प्राकृतिक गैस लेना कम कर दी थी। अमेरिका के दबाव में 2019 से ईरान को छोड़ दिया था। 2025 में रूस से भी तेल लेना कम कर दिया था। भारत अभी जो तेल और प्राकृतिक गैस आयात कर रहा है। उसमें 100 फीसदी भुगतान भारत को डॉलर मुद्रा में करना पड़ रहा है। जब ईरान से तेल और प्राकृतिक गैस आयात होती थी। तब भारतीय रुपए में भुगतान होता था। ईरान बदले में खाने-पीने और अन्य जरूरी सामान भारत से रुपये में भुगतान करके खरीदता था। अब स्थिति पूरी तरह से बदली हुई है। अमेरिका और इजरायल की दबाव में भारत के ईरान से व्यापारिक संबंध नहीं रहे। भारत जो तेल और गैस आयात कर रहा है। उसमें दो से तीन महीने का समय लग रहा है। परिवहन और बीमा के रूप में 4 गुना ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ रहा है। पूंजी भी भारत को ज्यादा लगानी पड़ रही है। इन परिस्थितियों को देखते हुए आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है। भारत के ऊपर इस युद्ध का अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है। भारत सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए बड़ी गंभीरता के साथ विचार करना होगा। सरकार को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत, कम कीमत पर कच्चे तेल-गैस इत्यादि का आयात के खर्च पर नियंत्रण तथा आर्थिक स्थिति में समन्वय बनाने एक नई लड़ाई लड़ने की जरूरत पड़ेगी। महंगाई बढ़ने के बाद बेरोजगारी बढ़ेगी इससे आम जनता को परेशानी होगी। इसका असर कानून व्यवस्था की स्थिति में होना तय है। जो स्थिति भारत में 1975 में देखने को मिल रही थी, वही स्थिति अब 2026 में देखने को मिल रही है। महंगाई और बेरोजगारी से जनता में नाराजी बढ़ रही है। आने वाले समय में आर्थिक चुनौती और भी बढ़ेगी ऐसी स्थिति में सरकार को सजग रहने की जरूरत है।

- डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती ब्रेक, हैईरान, होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है।

विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर- ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईक्रो सापट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से च्डिजिटल चोक-पॉइंटज् बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है।

हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। यही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि च्ईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगाज् जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो। आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - इसाईल-अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

ईरान अमेरिका संघर्ष से बाजार में उथल पुथल

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और इसका सबसे बड़ा असर भारत के शेयर बाजार पर देखने को मिला। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने निवेशकों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ही कारोबारी दिन में निवेशकों के लगभग बारह लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो यह दर्शाता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह घरेलू बाजार को प्रभावित करती हैं। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने निवेशकों के मन में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया।भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में करीब पच्चीस सौ अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह गिरकर लगभग चौहत्तर हजार के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी में भी सात सौ से अधिक अंकों की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले कई महीनों में सबसे बड़ी मानी जा रही है। बाजार के लगभग सभी क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव दिखाई दिया, जिससे यह साफ हो गया कि यह केवल किसी एक सेक्टर की समस्या नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक चिंता का परिणाम है। इ्रइस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण युद्ध का तेल और गैस क्षेत्रों तक पहुंचना है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और जब यहां अस्थिरता बढ़ती है तो उसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ता है। युद्ध के चलते कई महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों पर हमले हुए, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और यह एक समय एक सौ पंद्रह डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की जिंदगी पर भी असर डालता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस संघर्ष ने महंगाई की आशंका को भी बढ़ा दिया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की स्थिति को और कमजोर कर दिया। घरेलू कारणों ने भी इस गिरावट को और गहरा किया। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे पूरे बाजार पर दबाव बना। निवेशकों ने जोखिम से बचने के लिए तेजी से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में घबराहट और बढ़ गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशकों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा।हालांकि इस भारी गिरावट के बाद अगले ही दिन बाजार में कुछ सुधार भी देखने को मिला। निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी की, जिससे बाजार में थोड़ी स्थिरता आई। तेल की कीमतों में हल्की गिरावट भी इस सुधार का एक कारण रही। इससे यह संकेत मिलता है कि बाजार में अभी भी उम्मीद बाकी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं कही जा सकती इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहा बल्कि सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों पर भी पड़ा। आमतौर पर संकट के समय इनकी कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण यह है कि निवेशकों ने नकदी बनाए रखने के लिए इन धातुओं में भी बिकवाली की।ऊर्जा संकट के चलते पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ा है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे उन लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है जो उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन का उपयोग करते हैं। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहती हैं तो भविष्य में आम ईंधन भी महंगा हो सकता है।

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई है कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न करे। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च करे। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं है, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निस्स्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, षष्ठी, मंगलवासरे, रोहिणी नक्षत्रे, प्रीत योगे, कौलव करणे, वृष की चंद्रमा, द्विपुस्कर योग, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा उत्तम फलदायी व सुखी होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक सुंदर, सुशील किन्तु जिद्दी, हठी, स्वाभिमानी, कुशलवक्ता, सैनिक, सिपाही, मेजर जनरल कैप्टन तथा लड़ाकू प्रवृत्ति का उत्तम सैनिक एवं कार्य कुशल वक्ता अधिवक्ता प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर होगा।

मेष राशि :- समय विफल हो, कार्यगति में बाधा चिंता व्यर्थ भ्रमण कार्य अवरोध होगा।
वृष राशि :- इष्ट मित्रों से सुख अधिकारियों से मेल मिलाप होगा तथा कार्य अवश्य बने।
मिथुन राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, अधिकारियों के समर्थन से सफलता अवश्य हो।
कर्क राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान अवश्य दें।
सिंह राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझे, स्त्रीवर्ग से हर्ष होगा।
कन्या राशि :- भावनाएं संवेदनशील रहे, कुटुम्ब में सुख, धन प्राप्ति के साधन बनेंगे।
तुला राशि :- समय अनुकूल नहीं, स्वास्थ्य नरम रहे, किसी धारणा का अंदेशा अवश्य बने।
वृश्चिक राशि :- शरीर स्त्री कष्ट, मानसिक उदविघ्नता, स्वभाव में असमर्थता अवश्य हो।
धनु राशि :- आशानुकूल सफलता, स्थिति में सुधार, व्यवसाय गति उत्तम बनेगी।
मकर राशि :- वृथा धन का व्यय, मानसिक उदविघ्नता हानिप्रद होगी, ध्यान अवश्य दें।
कुंभ राशि :- इष्ट मित्रों से सहयोग कार्य बनेंगे तथा कार्यगति अनुकूल होगी।
मीन राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान रखे ।

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रूपये (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रूपये ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है।

दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा। दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें।

इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा—अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा। यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा। यह आंकड़े तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है —जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं।इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है—जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है—तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन-जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी—दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें।इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने की बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए, ताकि समय रहते पैसे को रोका जा सके। डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 7151

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फराह की 'रुत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुश्बू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. अमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'तेरे ऐसे हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, जसबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी का शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-४
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाची गाओ मीत' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन है' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी हसी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रीना, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नवाशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7150

न्यायपालिका पर भड़के पूर्व पीएम, पत्नी बुशरा बीबी के साथ अमानवीय व्यवहार का लगाया आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर जारी चिंताओं के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। लंबे समय से लंदन में रह रहे इमरान खान के बेटे कासिम खान ने आखिरकार रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने पिता से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद कासिम खान ने सोशल मीडिया के जरिए अपने पिता का एक तीखा संदेश सार्वजनिक किया है, जिसमें इमरान खान ने पाकिस्तान की न्यायपालिका और सरकार पर गंभीर प्रहार किए हैं।

कनाडा की फ्लाइट रनवे पर ट्रक से टकराई, कई लोगों के घायल होने की आशंका

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के एयरपोर्ट पर कनाडा के मॉन्ट्रियल से आ रही एयर कनाडा एक्सप्रेस की सीआरजे-900 फ्लाइट रनवे पर एक फायर इंजन ट्रक से टकरा गई। इस घटना में कई लोगों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के मुताबिक यह हादसा एयरपोर्ट के रनवे चार पर हुआ, जब विमान लैंड कर रहा था। टक्कर के बाद एयरपोर्ट पर तुरंत रेस्क्यू और इवैक्युएशन ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विमान के अगले हिस्से (नोज) को क्षतिग्रस्त दिखाया गया है। फुटेज में यह भी नजर आया कि विमान का आगे का हिस्सा ऊपर की ओर झुका हुआ था, जबकि यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा था।

मध्य पूर्व में सैन्य संघर्ष के चलते पाकिस्तान में पेट्रोल 300 रुपए के पार

इस्लामाबाद। मध्य पूर्व में गहराते सैन्य संघर्ष और ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आने का डर है। इस संकट से पाकिस्तान भी अछूता नहीं है। ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर मंडराते खतरे को देखते हुए पाकिस्तान सरकार ने कड़े आर्थिक फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। पाकिस्तानी सरकार ने हाई-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल पर पेट्रोलियम डेवलपमेंट लेवी में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है।

ईरान ने तेलअवीव समेत कई शहरों पर दागे क्लस्टर बम, इजराइल को भारी नुकसान

तेल अवीव। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध लगातार जारी हैं। ईरान ने रविवार रात इजराइल की राजधानी तेल अवीव समेत कई शहरों पर क्लस्टर बम से हमले किए जिसमें करीब 15 लोग घायल हुए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। कई घरों और सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। इसके बाद इजराइल ने भी सोमवार को तेहरान में मिसाइल हमले किए।अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजराइल तब तक अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा।

क्या झुकेगा ईरान! स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को खुलवाने साथ आ रहे 22 देश :मार्क रुट

वाशिंगटन। अमेरिका-इजराइल से जंग की वजह से ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पर पाबंदी लगा दी है। इस बीच, नाटो के महासचिव मार्क रुट ने माना है कि होर्मुज को फिर से खुलवाने के लिए जिस तरह दूसरे देश सुस्ती दिखा रहे हैं, उससे ट्रंप नाराज हैं। मार्क रुट ने बताया कि उन्होंने इस हफ्ते कई बार ट्रंप से बात की। उन्होंने जानकारी दी कि ट्रंप चाहते हैं कि उनके सहयोगी देश इस अहम समुद्री मार्ग को सुरक्षित बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में मार्क रुट ने कहा कि हालात अब बदल रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब 22 देश शिपिंग चैनल के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए उनके विजन को लागू करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। रुट ने दावा किया कि ट्रंप का दबाव रंग ला रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस वैश्विक संकट के समाधान के लिए ज्यादा जिम्मेदारी उठाने को तैयार नजर आ रहा है। रुट के मुताबिक सहयोगी देशों को एकजुट करना इस मिशन की सफलता के लिए जरूरी है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल व्यापार के लिए सबसे अहम रास्ता है, जिसे ईरानी फोर्स ने युद्ध के दौरान बंद कर दिया है। नाटो प्रमुख ने ईरान पर अमेरिका की तरफ से किए जा रहे हमलों का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने इसे वैश्विक सुरक्षा के लिए जरूरी कदम बताया।

उनके मुताबिक ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम दुनिया के लिए एक खतरा थे। अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के लिए इन खतरों का मुकाबला करना जरूरी है।

ट्रंप की ईरान को 48 घंटे वाली चेतावनी.............ताकत से ही शांति आएगी

वाशिंगटन । अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच छिड़े युद्ध को तीन हफ्ते पूरे हो चुके हैं, लेकिन शांति की जगह संघर्ष बढ़ता जा रहा है। 28 फरवरी से शुरू हुई भीषण जंग ने न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को हिला दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी संकट में डाल दिया है। लेबनान में मौतों का आंकड़ा 1029 तक पहुँच गया है, जबकि ईरान और इजरायल दोनों तरफ जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। ईरान द्वारा इजरायल के अराद और डिमोना शहरों पर किए मिसाइल हमलों ने दुनिया भर के रक्षा विशेषज्ञों को चौंका दिया है।

डिमोना इजरायल का अत्यंत संवेदनशील रणनीतिक केंद्र माना जाता है। इन हमलों के बाद अब यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि अब सीधे तौर पर परमाणु ठिकानों और ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया जा रहा है। युद्ध का सबसे भयावह असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पड़ा है। इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के बाधित होने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है। दर्जनों टैंकर समुद्र में फंसे हुए हैं, जिससे दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में भारी उछाल की आशंका है।

कत्लेआम मचाने वाले पाकिस्तान के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने पर उठे सवाल

रिपोर्ट में पाक में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर चिंताजनक तस्वीर पेश

वाशिंगटन। पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जिन्हें 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल किया गया है। इसका गठन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पट्टी में स्थायी शांति का समाधान खोजने के लिए किया है। हालांकि, आतंकवाद को पोषित करने का पाकिस्तान का रिकॉर्ड आड़े आ रहा है। पिछले दो सालों से अपने ही क्षेत्र में आक्रामक रवैया अपनाने वाले देश की 'शांतिदूत' भूमिका निभाने की क्षमता सवालों के घेरे में है।

एक रिपोर्ट ने पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर चिंताजनक तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे यह देश उनके लिए 'सबसे खतरनाक जगहों' में शुमार होता जा रहा है। रिपोर्ट बताती है कि बीता साल अल्पसंख्यकों के लिए संकट और गहराने वाला रहा। भीड़ द्वारा हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी हुई और अपराधियों को सजा मिलने के बजाय छूट मिलती रही। खासकर ईशनिंदा के आरोप अक्सर अचानक भड़क उठते हैं और फिर सामूहिक सजा का रूप ले लेते हैं, जिसमें चर्च जलाना, घरों पर हमले और लोगों की आजीविका तबाह करना शामिल है।

रिपोर्ट में जबरन धर्मांतरण, अपहरण और हिंदू और ईसाई लड़कियों की जबरन शादी के मामलों को भी व्यापक बताया गया है। पीड़ित परिवारों के पास कानूनी मदद के सीमित विकल्प होते हैं, जबकि उन्हें धमकियों और प्रशासनिक पक्षपात का भी सामना करना पड़ता है। ~अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग~ (यूएससीआईआरएफ) ने अमेरिकी सरकार से पाकिस्तान को फिर से 'कंट्री ऑफ पार्टिकुलर कंसर्न' (सीपीसी) घोषित करने की सिफारिश की है, जो धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघनों के लिए किया जाता है। रिपोर्ट में अन्य घटनाओं का भी उल्लेख है मार्च 2025 में युवक वकास मसीह की हत्या, मई 2025 में काशिफ मसीह की यातना से मौत और 2024 में वकास सलामत की मृत्यु जैसे मामले अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसके अलावा सिंध और पंजाब में 2025 के दौरान कई नाबालिग लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण के मामलों का भी जिक्र किया गया है।

दुनिया के एनर्जी प्रमुख ने चेताते हुए कहा– ऐसे तो पूरी दुनिया पर आएगा ऊर्जा का संकट

सिडनी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने गंभीर समस्याओं को लेकर आगाह किया है। आईईए के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कहा है कि युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट से वैश्विक अर्थव्यवस्था बहुत बड़े खतरे में है और कोई भी देश इसके प्रभावों से अछूता नहीं रहेगा।ऑस्ट्रेलिया की राजधानी में नेशनल प्रेस क्लब में बोलते हुए, आईईए चीफ ने कहा, मौजूदा हालात को देखते हुए यह संकट अब पूर्व में 2 बार पैदा हुए तेल संकटों का मिला-जुला रूप बन गया है।बिरोल ने आगे कहा, आज वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बहुत-बहुत बड़े खतरे का सामना कर रही है और मुझे पूरी उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान जल्द से जल्द हो जाएगा। उन्होंने कहा, अगर यह संकट इसी दिशा में आगे बढ़ता रहा, तो कोई भी देश इसके प्रभावों से बच नहीं पाएगा। इसलिए, अब वैश्विक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है।बता दें हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप है। इससे पेट्रोलियम बाजार इस कदर प्रभावित हुआ है कि कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। वहीं डीजल, जेट ईंधन और एलपीजी जैसे रिफाइंड उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है।ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध शुरू हुए अब लगभग 3 सप्ताह का समय बीते चुका है लेकिन इस जंग के खत्म होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच दुनिया का सबसे प्रमुख जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावी रूप से बंद है, जिससे भारत सहित पूरी दुनिया के लिए ईंधन आपूर्ति से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई है। इस युद्ध ने वैश्विक तेल बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी आपूर्ति बाधा उत्पन्न कर दी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही ठप है जिससे प्रतिदिन लगभग दो करोड़ बैरल कच्चा तेल और तेल उत्पाद की आवाजाही प्रभावित हुई है।

आवाजाही बंद होने से पेट्रोलियम बाजार इस कदर प्रभावित हुआ है कि कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं और डीजल, जेट ईंधन और तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) जैसे रिफाइंड उत्पादों की कीमतों में और भी भारी वृद्धि हुई है।

1971 में बांग्लादेश में बंगाली हिन्दुओं के खिलाफ पाक सेना कठघरे में?

-डेमोक्रेट सांसद ने की 'युद्ध अपराध और जनसंहार' के रूप में मान्यता देने की मांग

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा में एक अहम प्रस्ताव पेश किया है। इसमें 25 मार्च 1971 को बांग्लादेश में बंगाली हिन्दुओं के खिलाफ पाकिस्तानी सेना और जमात-ए-इस्लामी जैसे उसके सहयोगियों के हमले को 'युद्ध अपराध और जनसंहार' के रूप में मान्यता देने की मांग की गई है।ओहायो से डेमोक्रेट सांसद की तरफ से पेश यह प्रस्ताव विदेश मामलों पर प्रस्ताव समिति को भेजा गया है, जहां इस पर आगे विचार किया जाएगा। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को जेल में डाल दिया। इसके बाद पाकिस्तानी सैन्य टुकड़ियों ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूरे पूर्वी पाकिस्तान में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' नामक एक व्यापक कार्रवाई शुरू की, जिसमें आम नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया।

अगर अमेरिका संसद इस प्रस्ताव पर मुहर लगा देती है और बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ पाकिस्तानी सेना और जमात-ए-इस्लामी के अत्याचार को नरसंहार के रूप में मान्यता देता है तो पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ेगा और अन्य देश और संस्थाएं भी इसी दिशा में कदम उठा सकते हैं। वहीं अमेरिका कुछ व्यक्तियों या संस्थाओं पर लक्षित प्रतिबंध लगा सकता है।प्रस्ताव में उस समय के ढाका में तैनात अमेरिकी वाणिज्य दूत आर्चर ब्लड की तरफ से भेजे गए प्रसिद्ध 'ब्लेड कॉर्डर्स' का भी जिक्र किया है।

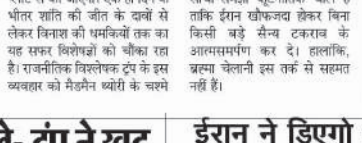

ट्रंप बार-बार पलट रहे बयान, अमेरिकी कह रहे हैं ये मैडमैन थ्योरी से ज्यादा कुछ नहीं

वॉशिंगटन। ईरान के साथ जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बदलती बयानबाजी ने वैश्विक कूटनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। महज 24 घंटे के भीतर ट्रंप के बयानों में आए नाटकीय बदलाव ने युद्ध की दिशा और अमेरिकी रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कूटनीतिक मामलों के प्रसिद्ध विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने ट्रंप के इस रवैये का तीखा विश्लेषण करते हुए इसे जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटा हुआ बताया है।

संकट की शुरुआत तब हुई जब ट्रंप ने अचानक दावा किया कि अमेरिका ने युद्ध के अपने सभी प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए हैं और यह संघर्ष अब समाप्ति की ओर है। इस बयान से दुनिया को लगा कि शायद तनाव कम होगा, लेकिन 24 घंटे बीतने से पहले ही राष्ट्रपति ने अपना रुख पूरी तरह बदलते हुए ईरान को सर्वनाश की धमकी दे डाली। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह ईरान के बिजली संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देंगे और इसकी शुरुआत वहां के सबसे बड़े पावर प्लांट से की जाएगी। एक ही दिन के भीतर शांति की जीत के दावों से लेकर विनाश की धमकियों तक का यह सफर विशेषज्ञों को चौंका रहा है। राजनीतिक विश्लेषक ट्रंप के इस व्यवहार को मैडमैन थ्योरी के चश्मे से देख रहे हैं। इस सिद्धांत का अर्थ है कि एक नेता जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को इतना अनिश्चित, सनकी और खतरनाक पेश करता है कि दुश्मन देश डर के मारे उसकी शर्तें मान ले। ट्रंप के समर्थकों का तर्क है कि यह एक सोची-समझी कूटनीतिक चाल है ताकि ईरान खौफजदा होकर बिना किसी बड़े सैन्य टकराव के आत्मसमर्पण कर दे। हालांकि, ब्रह्मा चेलानी इस तर्क से सहमत नहीं हैं।

ईरान ने कहा– धमकियों के बजाय सम्मान और संवाद का रास्ता ही वैश्विक शांति के लिए बेहतर

तेहरान। मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य संघर्ष अब एक ऐसे खतरनाक मुकाम पर पहुंच गया है, जहां मिसाइलों के साथ-साथ तेल, पानी और पैसा भी युद्ध के बड़े हथियारों के रूप में उभर रहे हैं। ईरान ने अमेरिका को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि उसके पावर प्लांट या अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला किया गया, तो वह दुनिया की सबसे अहम तेल लाइफलाइन हॉर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर देगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने उन्होंने अमेरिका को सुझाव दिया कि धमकियों के बजाय सम्मान और संवाद का रास्ता अपनाना ही वैश्विक शांति के लिए बेहतर होगा। दूसरी ओर, अमेरिका भी इस मोर्चे पर पीछे हटते नहीं दिख रहा है।

वर्तमान में यह मार्ग तकनीकी रूप से खुला है, लेकिन युद्ध की आशंकाओं के कारण यहां से गुजरने वाली वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा पहले ही प्रभावित हो चुका है। ईरान ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसकी पहुंच केवल तेल तक सीमित नहीं है, बल्कि वह क्षेत्र के ऊर्जा केंद्रों और समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले डिसैलिनेशन प्लांट्स को भी निशाना बना सकता है, जिससे आम जनता के जीवन पर सीधा संकट खड़ा हो जाएगा।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जलमार्ग फिलहाल पूरी तरह अवरुद्ध नहीं है, लेकिन बीमा कंपनियों द्वारा युद्ध के डर से जहाजों को कवर देने से मना करने के कारण व्यापारिक आवाजाही थम गई है।

उन्होंने अमेरिका को सुझाव दिया कि धमकियों के बजाय सम्मान और संवाद का रास्ता अपनाना ही वैश्विक शांति के लिए बेहतर होगा। दूसरी ओर, अमेरिका भी इस मोर्चे पर पीछे हटते नहीं दिख रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने घोषणा की है कि अमेरिका के पास वर्तमान में युद्ध संचालन के लिए पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं, लेकिन भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए वे अमेरिकी कांग्रेस से 200 अरब डॉलर के अतिरिक्त रक्षा फंड की मांग कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस भारी-भरकम बजट प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे भविष्य की सैन्य तैयारियों के लिए अनिवार्य बताया है। हालांकि, अमेरिका के भीतर ही इस वित्तीय बोझ को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।

कई अमेरिकी सांसदों ने तर्क दिया है कि देश का रक्षा बजट पहले ही रिकॉर्ड स्तर पर है और एक नई महंगी जंग का बोझ उठाना अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम भरा हो सकता है। आंकड़ों के अनुसार, इस संघर्ष के शुरुआती छह दिनों में ही अमेरिका को लगभग 11 अरब डॉलर खर्च करने पड़े हैं।

भड़के पूर्व सीआईए प्रमुख बोले- ट्रंप ने खुद खोदी खाई, अब होर्मुज बन गया फंदा?

वाशिंगटन। ईरान के साथ जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मोर्चे पर चौतरफा दबाव में घिरते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री और सीआईए के पूर्व डायरेक्टर लियोन पैनेटा ने ट्रंप की युद्ध नीति पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि मौजूदा संकट के लिए राष्ट्रपति खुद जिम्मेदार हैं। पैनेटा, जो बिल क्लिंटन और बराक ओबामा प्रशासन में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं, ने स्पष्ट किया कि ट्रंप अब एक ऐसी मुश्किल स्थिति में हैं जहां से न तो आगे बढ़ना आसान है और न ही पीछे हटना। उनके अनुसार, यदि ट्रंप हॉर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए और सैन्य ताकत झोंकते हैं, तो यह जंग पूरे क्षेत्र में फैल जाएगी, और यदि वे पीछे हटते हैं, तो दुनिया इसे उनकी सबसे बड़ी विफलता के रूप में देखेगी।

लियोन पैनेटा ने इस बात पर हैरानी जताई कि क्या ट्रंप प्रशासन ने युद्ध शुरू करने से पहले हॉर्मुज जलडमरूमध्य की संवेदनशीलता को नजरअंदाज किया। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है कि ईरान के साथ युद्ध की स्थिति में हॉर्मुज जलमार्ग सबसे बड़ी कमजोरी साबित होगा। पैनेटा का आरोप है कि या तो ट्रंप ने इस खतरे को हल्का समझा या उन्हें लगा कि जंग बहुत जल्दी खत्म हो जाएगी।

हकीकत इसके उलट रही; ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इस प्रमुख तेल मार्ग को प्रभावित कर दिया, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट गहरा गया और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। रणनीतिक रूप से भी ट्रंप का दांव उल्टा पड़ता दिख रहा है। 28 फरवरी को जब यह संघर्ष शुरू हुआ, तो अमेरिका और इजराइल को उम्मीद थी कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के बाद वहां का शासन बिखर जाएगा। शुरुआती बढ़त मिलने के बावजूद युद्ध खत्म नहीं हुआ। पैनेटा के विश्लेषण के मुताबिक, पुराने नेतृत्व को हटाने के बाद ईरान में अब जो नया नेतृत्व उभर कर सामने आया है, वह पहले से कहीं अधिक कठोर और आक्रामक है। इस रजीम चेंज की रणनीति ने अमेरिका के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ईरान ने डिएगो गार्सिया द्वीप पर अमेरिका-ब्रिटेन के सैन्य अड्डे पर दागीं मिसाइलें

क्या भविष्य में यूरोप के प्रमुख शहर भी ईरान के निशाने पर, उठे सवाल बढ़ी चिंता

लंदन। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान की मिसाइल कार्रवाई ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को और गहरा कर दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान ने हिंद महासागर में स्थित डिएगो गार्सिया द्वीप पर अमेरिका और ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे को निशाना बनाते हुए लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि ये मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिएगो गार्सिया द्वीप पर स्थित यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से अत्यंत अहम है। बताया जा रहा है कि यह हमला मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच पहली बार इतनी लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल का संकेत देता है। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक युद्ध शुरू होने के बाद इस स्तर की क्षमता का प्रदर्शन पहली बार देखा गया है। हालांकि ईरान ने आधिकारिक रूप से इस हमले की पुष्टि नहीं की है। ईरानी मीडिया भी इस संबंध में विदेशी स्रोतों के हवाले से ही रिपोर्टिंग कर रहा है।

अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अज्ञात अधिकारियों के हवाले से इस घटना की जानकारी दी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस असफल हमले के बावजूद इसकी रणनीतिक अहमियत कम नहीं है। इससे यह संकेत मिलता है कि ईरान अपनी मिसाइल क्षमता का दायरा बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। वर्तमान में चागोस द्वीपसमूह ईरान से करीब 3800 किलोमीटर दूर है, जो इसकी मारक क्षमता का एक अहम संकेतक है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या भविष्य में यूरोप के प्रमुख शहर जैसे लंदन, पेरिस और बर्लिन भी इस दायरे में आ सकते हैं।

पाकिस्तान में लश्कर कमांडर की हेडक्वार्टर में घुसकर हत्या पर लग रहे कयास

सेफ हाउस में इस प्रकार की घटना पारिवारिक या पर्सनल हो सकती है

इस्लामाबाद। लश्कर-ए-तैयबा के सीनियर कमांडर बिलाल आरिफ सलाफी की पाकिस्तान के मुरीदके में हेडक्वार्टर के अंदर घुसकर रविवार को गोली और चाकू मारकर हत्या कर दी गई। टॉप इंटेलिजेंस सोर्स के मुताबिक बताया गया है कि ये जगह लश्कर का सबसे सुरक्षित जगहों में एक माना जाता है। सलाफी टेरर ऑर्गेनाइजेशन का मुख्य रिक्रूटर और आइडियो लॉग था। उसपर बहुत करीब से हमला किया गया। सोर्स ने कहा कि एक आदमी ने उस पर अंधाधुंध गोलियां चलाई जबकि एक महिला ने उसे बार-बार चाकू मारा। कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि सेफ हाउस में इस प्रकार की घटना पारिवारिक या पर्सनल ही हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिलाल आरिफ सलाफी 2005 से लश्कर-ए-तैयबा के साथ सक्रिय था। उसने कैडर को रेडिकलाइज़ करने, कश्मीर जिहाद नैरेटिव बनाने और भारत विरोधी टेरर एक्टिविटी के लिए पाकिस्तानी युवाओं को रिक्रूट करने में सेंट्रल रोल निभाया करता था। बताया जा रहा है कि वह लश्कर में लॉजिस्टिक्स, टेरर फाइनेंसिंग और हथियारों की खरीद में भी शामिल था। इंटेलिजेंस सूत्रों का कहना है कि उसने संगठन को लगातार फंड और हथियार सप्लाई करने में मदद की। सूत्रों ने बताया कि मरकज़ तैयबा जैसी बहुत सुरक्षित जगह के अंदर ऐसी सेंधमारी अंदरूनी सपोर्ट के बिना मुश्किल होगी। इससे लश्कर-ए-तैयबा के अंदर अंदरूनी लड़ाई का शक पैदा हुआ है। हालांकि, प्रॉपर्टी से जुड़े पारिवारिक झगड़े को भी एक संभावित वजह माना जा रहा है। सलाफी लश्कर के शीर्ष नेतृत्व के वह बेहद करीब माना जाता था। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि मरकज तैयबा जैसे अभेद्य सुरक्षा वाले ठिकाने के अंदर कोई बाहरी व्यक्ति हथियार और चाकू लेकर कैसे घुसा? खुफिया अधिकारियों का मानना है कि बिना किसी अंदरूनी मदद के ऐसा होना नामुमकिन है।

रंगसंसार

आदित्य धर ने मांगी माफी

निर्देशक आदित्य धर की फिल्म ‘धुरंधर- द रिवेंज’ 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, लेकिन रिलीज से पहले आयोजित प्रीव्यू शोज के रद्द होने से दर्शकों को निराशा का सामना करना पड़ा। फिल्म के निर्माताओं ने 18 मार्च को कुछ खास शहरों में प्रीव्यू शो आयोजित किए थे, ताकि दर्शकों को रिलीज से पहले फिल्म देखने का मौका मिल सके, लेकिन तकनीकी कारणों से कई जगहों पर ये शो नहीं हो पाए। बताया गया है कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कई सिनेमाघरों में अचानक शो रद्द कर दिए गए, जिससे फिल्म देखने पहुंचे दर्शकों को काफी परेशानी हुई। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी दर्शकों ने अपनी नाराजगी जाहिर की। अब इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्य धर ने फैंस से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति उनके लिए भी बेहद निराशाजनक है और वे दर्शकों की भावनाओं को समझते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शो रद्द होने के पीछे तकनीकी और लॉजिस्टिक समस्याएं थीं, जिनकी वजह से यह परेशानी खड़ी हुई। आदित्य धर ने यह भी कहा कि फैंस का प्यार और समर्थन उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है और वह भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने दर्शकों से सहयोग और समझदारी की अपील भी की। फिल्म को लेकर दर्शकों में अब भी उत्साह बना हुआ है और रिलीज के बाद इसके प्रदर्शन पर सभी की नजरें टिकी हैं।

राहुल-दिशा ने खरीदा सपनों का घर

हर किसी का सपना होता है कि वह अपने जीवन में एक खूबसूरत आशियाना बनाए, और यह सपना अब टीवी इंडस्ट्री के चर्चित कपल राहुल वैद्य और दिशा परमार ने पूरा कर लिया है। दोनों ने हाल ही में मुंबई में अपना नया घर खरीदा है और पूरे परिवार के साथ पारंपरिक तरीके से गृह प्रवेश किया। इस खास मौके की झलक कपल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए फैंस के साथ साझा की है। सामने आई तस्वीरों में राहुल और दिशा पूजा करते हुए नजर आ रहे हैं, जहां घर का माहौल पूरी तरह से खुशियों और उत्साह से भरा दिखाई देता है। दोनों पारंपरिक परिधान में बेहद खुश नजर आए और अपने इस नए सफर की शुरुआत को खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। राहुल वैद्य और दिशा परमार की जोड़ी टीवी और म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी लोकप्रिय है। दोनों की केमिस्ट्री को फैंस लंबे समय से पसंद करते आ रहे हैं। ऐसे में उनके नए घर की खबर ने फैंस की खुशी को और बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें इस नई शुरुआत के लिए बधाइयां दे रहे हैं। कपल ने अपने फैंस का आभार जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है और वे इस पल को अपने परिवार और करीबियों के साथ एंजॉय कर रहे हैं। नया घर उनके जीवन में एक नई शुरुआत का प्रतीक है, जिसे लेकर वे बेहद उत्साहित हैं।

सुंदरावलीज् का किरदार नायक की ताकत है- नाभा नतेश

मुंबई । साल 20226 में बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों की रिलीज को लेकर उत्साह बना हुआ है। ऐसी ही एक फिल्म ‘स्वयंभूज्’ चर्चा में है। यह फिल्म एक बहादुर योद्धा की कहानी को दर्शाती है, जिसने अपनी वीरता से इतिहास की दिशा बदल दी। फिल्म में अभिनेत्री नाभा नतेश अहम भूमिका निभा रही हैं, जिनका किरदार कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ता है। नाभा नतेश ने एक इंटरव्यू में अपने किरदार ‘सुंदरावलीज्’ के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सुंदरावली एक क्लासिकल डांसर है, जो उसी गांव में पली-बढ़ी है जहां निखिल का किरदार रहता है। वह नायक के व्यक्तित्व को गहराई से समझती है और उसके जीवन के हर उतार-चढ़ाव से परिचित है।

नाभा के मुताबिक, उनका किरदार सिर्फ एक साथी नहीं, बल्कि नायक की ताकत का आधार है। उन्होंने बताया कि सुंदरावली उस भावना का प्रतीक है, जो अक्सर पर्दे के पीछे रहकर किसी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब नायक कठिन परिस्थितियों से गुजरता है, तब सुंदरावली ही उसे संभालती है और दोबारा खड़े होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आत्मविश्वास देती है। यही मोड़ कहानी को नई दिशा देता है और नायक के संघर्ष को निर्णायक रूप में बदल देता है। फिल्म ‘स्वयंभूज्’ का निर्माण भुवन और श्रीकर ने पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले किया है, जबकि इसे टैगोर मधु ने प्रस्तुत किया है।

इस प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म के लिए निखिल सिद्धार्थ ने वियतनाम में विशेष मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग ली है। उन्होंने तलवारबाजी में भी विशेष महारत हासिल की है और वे दोनों हाथों से तलवार चलाने में सक्षम हो गए हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों को भी एक्शन दृश्यों के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इसके लिए वियतनाम से एक्सपर्ट्स को बुलाया गया, ताकि स्टंट और क्लाइमेक्स सीक्वेंस को यथार्थ के करीब पेश किया जा सके।

निमिषा नायर के साथ बदसलूकी

महिलाओं के साथ बढ़ती बदसलूकी की घटनाओं के बीच एक और मामला सामने आया है, जिसमें अभिनेत्री निमिषा नायर को निशाना बनाया गया। मुंबई में उनके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें धमकियां भी दी गईं। इस घटना की जानकारी खुद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए साझा की, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया है। निमिषा नायर ने अपने पोस्ट में बताया कि यह घटना उनके लिए बेहद डरावनी और परेशान करने वाली रही। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया, जिससे वह काफी असहज महसूस कर रही हैं। एक्ट्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई, जिसने इस पूरे अनुभव को और गंभीर बना दिया। इस घटना के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कई यूजर्स ने एक्ट्रेस के समर्थन में आवाज उठाई और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए। वहीं, कुछ लोगों ने प्रशासन से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग भी की है। निमिषा ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी संदेश दिया कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है, ताकि दोषियों को सजा मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। फिलहाल, इस मामले में आगे की कार्रवाई और जांच को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन यह घटना एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

सिंगर मंगली ने मांगी माफी

कन्नड़ फिल्म ‘केडी- द डेविलज्’ के गाने ‘सरके चुनरज्’ को लेकर उठे विवाद के बीच अब इसकी सिंगर मंगली ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। गाना रिलीज होते ही इसके बोलों को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं और लोगों ने इसमें अश्लीलता होने का आरोप लगाया था। बढ़ते विरोध के बाद आखिरकार इस गाने को बैन कर दिया गया। लगातार बढ़ रही आलोचनाओं के बीच मंगली ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर इस गाने से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें इसका खेद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सब अनजाने में हुआ और उनका उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। मंगली ने यह भी कहा कि एक कलाकार के तौर पर वह हमेशा दर्शकों की भावनाओं का सम्मान करती हैं और आगे भी इस बात का ध्यान रखेंगी। गाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया था कि सोशल मीडिया पर इसके खिलाफ अभियान चलने लगे थे। कई लोगों और सेलेब्स ने भी इस पर आपत्ति जताई, जिसके बाद मेकर्स को यह कदम उठाना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में कंटेंट की जिम्मेदारी को लेकर बहस छेड़ दी है। फिलहाल, मंगली की माफी के बाद यह मामला कुछ हद तक शांत होता नजर आ रहा है, लेकिन इस विवाद ने यह साफ कर दिया है कि दर्शकों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है।

संगीत से गहराई से जुड़ा हुआ था अलका याज्ञनिक का परिवार

90 के दशक के सुनहरे दौर में जब फिल्मी संगीत अपने चरम पर था, उस समय कई दिग्गज गायिकाओं के बीच गायिका अलका याज्ञनिक ने अपनी अलग पहचान कायम की। अलका का परिवार संगीत से गहराई से जुड़ा हुआ था। उनकी मां शुभा याज्ञनिक एक जानी-मानी शास्त्रीय गायिका थीं, जिनसे उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा ली। महज छह साल की उम्र में उन्होंने आकाशवाणी पर गाना शुरू कर दिया, जो उनके करियर की पहली महत्वपूर्ण सीढ़ी साबित हुई। बचपन में ही वह अपनी मां के साथ मुंबई आ गईं, जहां उनकी मुलाकात मशहूर फिल्म निर्माता राज कपूर से हुई।

उनकी आवाज से प्रभावित होकर राज कपूर ने उन्हें संगीतकार लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल से मिलवाया, जिससे उनके करियर को नई दिशा मिली। शुरुआत में उन्हें डबिंग आर्टिस्ट के रूप में काम मिला, लेकिन उन्होंने पार्श्वगायन को ही अपना करियर बनाने का निर्णय लिया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में गाने के अवसर मिलने लगे, लेकिन असली पहचान उन्हें फिल्म ‘तेजाबज्’ के सुपरहिट गीत ‘एक दो तीनज्’ से मिली, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने ‘कयामत से कयामत तकज्’, ‘साजनज्’, ‘कुछ कुछ होता हैज्’ और ‘हम हैं राही प्यार केज्’ जैसी फिल्मों में कई यादगार गीत गाए, जो आज भी श्रोताओं की जुबान पर हैं। यह वह दौर था जब लता मंगेशकर और आशा भोसले जैसी दिग्गज गायिकाओं का वर्चस्व था। ऐसे प्रतिस्पर्धी माहौल में अपनी जगह बनाना आसान नहीं था, लेकिन अलका याज्ञनिक ने अपनी मेहनत, समर्पण और अनोखी आवाज के दम पर खुद को स्थापित किया।

उनकी आवाज में भावनाओं को अभिव्यक्त करने की अद्भुत क्षमता थी, जिसने हर गीत को खास बना दिया। अपने करियर में उन्होंने हजारों गीत गाए और कई भाषाओं में अपनी आवाज दी। कुमार सानू और उदित नारायण के साथ उनकी जोड़ी ने कई सुपरहिट गाने दिए, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनके गीत आज भी रेडियो, टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर समान रूप से लोकप्रिय हैं। सम्मानों की बात करें तो अलका याज्ञनिक को 7 फिल्मफेयर अवॉर्ड, 2 राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

दैनिक पंचांग

24 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.07 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.47 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.46 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.59 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.15 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.27 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.38 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.52 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.08 बजे से
राहुकाल		मकर	02.14 बजे से
3.00 से 4.30		कुंभ	04.00 बजे से
बजे तक		मीन	05.33 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 83 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु बसंत।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास चैत्र पक्ष शुक्ल
तिथि षष्ठी 16.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 19.05 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 09.08 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 16.08 बजे तदन्तर गर 02.58 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 4.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01°20'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872658
जूलियन दिन 2461123.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 04
विशेष यमुना छठ, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ्म श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

किसानों को अब खाद का संकट?

अमेरिका इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है। युद्ध वहां पर लड़ा जा रहा है। इसका असर भारत के किसानों पर पड रहा है। अभी किसानों को ब्लेक में कम ज्यादा खाद जैसे तैसे मिल जाती थी। अब नया संकट आ गया है। युद्ध के कारण किसानों को खाद मिल पाएगी, या नहीं। इसको लेकर किसानों के खाद का संकट मंडरा रहा है। खाद निर्माण मे लगभग 50 फ़ीसदी सामग्री खाडी के देशों से आयात होती है। 30 फ़ीसदी खाद का आयात होता है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत घट गई है। आयातित खाद भी महंगी होगी। इस लफड़े में खाद महंगी होगी। यह सोचकर किसान चिंतित है। भगवान किसानो की ही परीक्षा क्यों लेते हैं? किसानों का धैर्य अब टूटने लगा है।

ट्रांसजेंडर भगवान से कम, सरकार से ज्यादा परेशान?

भारत में करोड़ों की संख्या में ट्रांसजेंडर हैं। भगवान ने इन्हें जन्म देते समय एक बार दंड दिया। अब जो सरकार है, वह बार-बार ट्रांसजेंडरों को दंड देने का कानून बनाने जा रही है। सरकार 2026 में ट्रांसजेंडर संशोधन बिल ला रही है। यह बिल पास हो गया, तो हर ट्रांसजेंडर को डॉक्टर तहसीलदार और कलेक्टर के चक्कर लगाने होंगे। वह प्रमाणित करेंगे, वह ट्रांसजेंडर हैं, या नहीं। जो ट्रांसजेंडर दूसरों को दुआ देते थे। अब उन्हें सरकारी दुआ की जरूरत होगी। ट्रांसजेंडर अब सड़कों पर आकर सरकार के खिलाफ ताली बजा रहे हैं।

द्रमुक के सहयोगी दल ने चुनाव से पहले तोड़ा गठबंधन

तमिलनाडु

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले तमिलगा वझ्वुरिमाई काची ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) को छोड़ने की रविवार को घोषणा की। पार्टी के संस्थापक टी वेलमुरुगन ने द्रमुक के बड़े भाई वाले रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई है।

पनरुति (कुड्डालोर जिला) विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक वेलमुरुगन ने पत्रकारों से कहा कि अपनी पार्टी की उपेक्षा से नाखुश होकर भी उन्होंने यह फैसला लिया। वेलमुरुगन ने कहा, सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान हमें बताया गया था कि विधानसभा चुनाव के लिए हमें एक सीट आवंटित की जाएगी। हम सामाजिक न्याय सहित कई मांगें उठाते रहे हैं। हमसे पूछा गया कि जब अन्य दल कोई मांग नहीं कर रहे हैं, तो आप ऐसी मांगें क्यों कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, मैं सरकार से बार-बार कुछ मांगें पूरी करने का आग्रह करता रहा हूं। लेकिन द्रमुक इसे नजरअंदाज करती रही है। भविष्य के कदम के बारे में उन्होंने कहा कि उनका संगठन तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल नहीं होगा। (ए)

असमिया पहचान की सुरक्षा के लिए

क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय दलों के बीच खींचतान

असम

नई सरकार के चुनाव में जुटे असम में क्षेत्रवाद अब भी एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। यह राज्य दशकों से बाहरी लोगों मुख्य रूप से अवैध प्रवासियों के खतरे से अपनी पहचान की रक्षा की चिंता से जूझ रहा है।

क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की प्रासंगिकता पर पिछले कुछ सालों में सवाल उठने लगे हैं। असम गण परिषद (अगप) समेत सभी प्रमुख क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय दलों के साथ हाथ मिला रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय दलों द्वारा असमिया जातियताबाद (असमिया राष्ट्रवाद) के प्राथमिक मुद्दे को हथियाना और उनके पास उपलब्ध अधिक व्यापक संसाधनों के कारण क्षेत्रीय दलों को चुनावी अस्तित्व के लिए उनका साथ देना पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार दशकों में दो सरकारों का नेतृत्व करने के बावजूद क्षेत्रीय ताकतों के लिए एक मजबूत मार्ग प्रशस्त करने में अगप की विफलता के कारण भी ये क्षेत्रीय दल हासिये पर पहुंच गए हैं।

स्तंभकार और राजनीतिक विश्लेषक ब्रोजेन डेका ने कहा, असमिया लोगों के लिए संस्कृति, भाषा और पहचान की रक्षा हमेशा से ही चिंता का विषय रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों ने इसका अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश मूल के ज्यादातर बांग्ला भाषी मुसलमानों से मूल निवासियों के लिए उत्पन्न खतरा हाल के दशकों में सबसे प्रमुख रहा है और आज भी बना हुआ है। डेका ने दावा किया कि इस मुद्दे को सुलझाने के वादे के साथ चुनाव लड़े गए हैं और सरकारें बनाई गई हैं। यहां तक कि मौजूदा चुनाव भी इसी उद्देश्य से हो रहे हैं। स्तंभकार ने कहा, अगर आप वर्ष 2016 के चुनाव में भाजपा की भारी जीत को देखें, तो चुनावी नारा जाति, माटी, भेति (समुदाय, भूमि, घर) था, जो स्थानीय पहचान की रक्षा का सीधा संकेत था और 2026 के चुनाव में भी, सरकार से यह आशा है कि वह अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई करे। नगांव विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर नय कुमार महंत ने कहा कि अवैध विदेशियों की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने के इसी आश्वासन के साथ अगप ने 1985 और 1996 में दो बार सरकारें बनाईं। उन्होंने कहा कि यह पार्टी उन नेताओं द्वारा बनाई गई थी जो घुसपैठ विरोधी, छह साल लंबे असम आंदोलन में सबसे आगे थे। उन्होंने कहा, यह एक क्षेत्रीय पार्टी थी जिसने दो कार्यकाल तक सरकार का नेतृत्व किया। लेकिन अब यह भाजपा की एक छोटी सहयोगी पार्टी मात्र बनकर रह गई है। पिछले दो विधानसभा चुनावों में हमने देखा है कि पार्टी कुल 126 सीट में से केवल 26 सीट पर ही चुनाव लड़ रही है।

> राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय दलों द्वारा असमिया जातियताबाद के प्राथमिक मुद्दे को हथियाना और उनके पास उपलब्ध अधिक व्यापक संसाधनों के कारण क्षेत्रीय दलों को चुनावी अस्तित्व के लिए उनका साथ देना पड़ा है।

उन्होंने कहा, इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इस साल इसके 26 उम्मीदवारों में से 13 मुस्लिम हैं और उनमें से कई बांग्ला भाषी हैं। महंता ने कहा कि वैसे तो अगप प्रारंभ से ही धर्मनिरपेक्ष सोच वाली पार्टी रही लेकिन उसने बांग्लाभाषी मुसलमानों से हमेशा दूरी बनाए रखी। विश्लेषकों के अनुसार रायजोर दल और असम जातीय परिषद जैसी अन्य क्षेत्रीय पार्टियों का गठन इस दशक की शुरुआत में असमिया पहचान के लिए लड़ने के उद्देश्य से किया गया था, लेकिन ये विपक्षी कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुकी हैं, एक ऐसी पार्टी जिस पर मूल रूप से वोट बैंक के लिए राज्य में अवैध प्रवासियों की समस्या पैदा करने का आरोप लगाया गया था। डेका का मानना है कि क्षेत्रीय दलों के राष्ट्रीय दलों के साये में आने की नींव तब पड़ी जब राष्ट्रीय दलों ने खुद को जातियताबाद के चैंपियन के रूप में पेश करना शुरू किया। (ए)

असम चुनाव : रायजोर दल ने उम्मीदवारों की अंतिम सूची घोषित की

रायजोर दल ने असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अपनी संशोधित अंतिम सूची घोषित कर दी है। पार्टी ने राज्य में विपक्षी गठबंधन में शामिल होने और उसके तहत सीट बंटवारे के समझौते पर सहमति बनने के बाद तीन निर्वाचन क्षेत्रों से अपने उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द कर दी है। अंतिम सूची में पार्टी अध्यक्ष अखिल गोगोई का नाम शामिल है, जिन्हें शिवसागर सीट से फिर से उम्मीदवार बनाया गया है। सूची में विधायक अब्दुर रशीद मंडल का नाम भी शामिल है, जो हाल में कांग्रेस छोड़कर इस क्षेत्रीय पार्टी में शामिल हुए थे। उन्हें पूर्वी गोलपाड़ा से उम्मीदवार बनाया गया है। इस सूची में बोकाखाट निर्वाचन क्षेत्र के लिए पार्टी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की गई है हालांकि उम्मीदवारों की पहली सूची में इस सीट से रतन दाओ को मैदान में उतारा गया था। कांग्रेस छोड़कर इस महीने की शुरुआत में रायजोर दल में शामिल हुए एक अन्य विधायक शेरमन अली अहमद को पार्टी ने टिकट नहीं दिया। रायजोर दल ने मार्गेरिटा से राहुल छेत्री को उम्मीदवार बनाया है। (ए)

चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर पूर्व मंत्री का भाजपा से इस्तीफा

भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और आल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआइएनआरसी) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में पूर्व मंत्री रहे एके साई जे सरवन कुमार ने नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवार के रूप में टिकट नहीं मिलने के कुछ दिनों बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे दिया तथा उन्होंने इसके लिए पार्टी के स्थानीय नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। कुमार ने बताया कि उन्होंने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित अन्य लोगों को अपना त्यागपत्र भेज दिया है। इस्तीफे का कारण पुदुचेरी में पार्टी के प्रमुख पदों पर बैठे लोगों द्वारा मेरे प्रति दिखाया गया शत्रुतापूर्ण व्यवहार है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मेरा साथ नहीं छोड़ा है। अन्य दलों के कुछ लोगों और पार्टी के भीतर के कुछ नेताओं ने मेरी प्रगति से ईर्ष्या के कारण मेरा टिकट काट दिया है। कुमार ने इस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या वह अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम या किसी अन्य पार्टी में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। कुमार को ऊसुडु निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का उम्मीदवार नहीं बनाया गया और भाजपा ने नौ अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए मनोनीत विधायक ई थीप्पैनथन को चुनावी मैदान में उतारा है। (ए)

मिशन सौ सीट के साथ मैदान में कांग्रेस व सहयोगी दल

केरल

केरल के चुनाव में सबसे बड़ा केंद्र कांग्रेस इस बार विधानसभा चुनाव के लिए सौ सीटों के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में है।

लक्ष्य को साधने के लिए पार्टी ने पहले जहां एक और अंदुरुनी बवाल को संभाला है, वहीं अब जमीनी स्तर मतदाताओं को साधने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस चुनाव मैदान में होंगे। इसके लिए जमीनी स्तर पर कांग्रेस पार्टी ने इसकी तैयारियां भी तेज कर दी है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल के मुताबिक सौ सीट के लक्ष्य को आसानी केरल में प्राप्त किया जाएगा। राहुल गांधी 25 मार्च को केरल में एक बड़ी सभा करने जा रहे हैं, इस बार केरल की सूची में राहुल गांधी की खूब चली है।

फाइल फोटो।

> 25 मार्च से चुनाव मैदान में उतरेंगे राहुल गांधी। तेज होगा चुनावी अभियान।
>
> इस बार केरल में नौ महिला उम्मीदवार मैदान में हैं।

> आयोग के आंकड़े देखे तो इस बार केरल में कुल 2.70 करोड़ मतदाता है।
>
> मतदाताओं में 1.38 करोड़ महिला और 1,31 करोड़ पुरुष मतदाता शामिल है।

यहां तक की पार्टी अंदुरुनी खींचतान को नियंत्रित करने में भी सफल रही है क्योंकि पार्टी के कई बड़े चेहरे इस बार के चुनाव के लिए टिकट की मांग कर रहे थे। कांग्रेस पार्टी ने इस बात का भी पूरा ध्यान रखा है कि टिकट बांटने के बाद कोई भी नेता बागी नहीं हो, क्योंकि पार्टी का मानना था कि इसका खामियाजा पार्टी को चुनाव में हो सकता है। इसके अतिरिक्त पार्टी अपने वरिष्ठ नेताओं को भी टिकट बंटवारे की प्रक्रिया के दौरान समझाने में कामयाब रही है। पार्टी ने अभी तक जो टिकट जारी किए हैं। इन टिकट में कुल नौ महिलाओं को मौका दिया गया है। इससे पहले हुए लोकसभा चुनाव में भी पार्टी ने राज्य की 16 सीट में से एक ही उम्मीदवार को मौका दिया था। केरल (केरलम) के चुनाव में इस बार राजनीतिक दलों की निगाहें युवाओं की ओर है। ये युवा मतदाता ही इस बार राज्य में भविष्य की सरकार तय करेंगे। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक इस चुनाव में केरल में 2.70 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इन मतदाताओं में सबसे अधिक संख्या पहली बार मतदान करने वाले और 30 वर्ष से कम आयु वाले मतदाताओं की है।

आयोग के आंकड़े देखे तो इस बार केरल में कुल 2.70 करोड़ मतदाता है। इन मतदाताओं में 1.38 करोड़ महिला और 1,31 करोड़ पुरुष मतदाता शामिल है। इन मतदाताओं में जब उम्र के आधार पर मतदाताओं का आंकलन किया जाता है तो उसमें 4.24 लाख पहली बार मतदान (18-19 वर्ष) करने वाले और 30 वर्ष से कम आयु (20- 29 वर्ष) के कुल 54110 मतदाता है, जबकि अन्य श्रेणी में आने वाले मतदाताओं का आंकड़ा इससे कहीं कम है।

सीएसके ने रैना और हेडन को हॉल ऑफ फेम अवार्ड से सम्मानित किया

चेन्नई। पांच बार कि आईपीएल खिताब विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 वें सत्र की शुरुआत से पहले प्रतिष्ठित हॉल ऑफ फेम पुरस्कार दिये। चेपॉक स्टेडियम में आयोजित 'रोर 26' नाम के एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन दो दिया गया। रैना, सीएसके में «चिन्ना थाला» के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। वह सीएसके की ओर से सबसे बड़े मैच विजेता माने जाते हैं। उन्होंने साल 2008 से 2021 तक टीम की ओर से 2010, 2011, 2018 और 2021 में जीत हासिल की है। रैना अभी भी सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5,529 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं।

आईपीएल प्रसारण पर लगा प्रतिबंध हटा सकता है बांग्लादेश

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कार्रवाई के डर से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अब आईपीएल प्रसारण पर लगी रोक हटा सकता है। इसका संकेत खेल मामलों के राज्य मंत्री अमिनुल हक के बयान से मिलता है। जिसमें उन्होंने कहा था कि वह इस मामले में बीसीबी से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि खेल को राजनीति में नहीं लाना चाहिये। हमें भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने होंगे। साथ ही कहा कि इस मामले में बातचीत के बाद ही कोई फैसला होगा।

केकेआर हर्षित की जगह अंबरिश को कर सकती है शामिल

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले अपने खिलाड़ियों के चोटिल होने से मुश्किलों में पड़ गयी है। केकेआर के दो प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप और हर्षित राणा फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर अब उनके विकल्प की तलाश में लग गयी है। इसके तहत नए खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए बुलाया गया है। वहीं टीम के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने भी कहा है कि बहुत जल्द नए खिलाड़ी का नाम घोषित किया जाएगा।

अमेलिया केर ने बनाया नया विश्वकप रिकार्ड

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर अमेलिया केर ने दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के खिलाफ चौथे टी20 मैच में 31 रन बनाने के साथ ही अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब अमेलिया टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार 10 बार 30 से अधिकर रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं।

आईपीएल से युवाओं को मिली पहचान पर अनुभवी खिलाड़ियों का जलवा बरकरार

मुम्बई। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल से एक बार फिर उभरते हुए खिलाड़ियों को अपना प्रदर्शन दिखाने का अवसर मिलेगा। आईपीएल से कई युवा खिलाड़ियों को पहचान मिली है और कई खिलाड़ी भारतीय टीम में भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। इनमें रिंकू सिंह से लेकर अभिषेक शर्मा सहित कई अन्य खिलाड़ी भी है। आईपीएल से पहचान और नये अवसरों के साथ ही युवाओं को मोटी रकम भी मिलती है। भारतीय टीम में चयन न होने वाले खिलाड़ी भी इस लीग से इतना कमा लेते हैं कि अच्छे से अपनी जिंदगी चला सकते हैं। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले जहां युवा खिलाड़ी अपनी फिटनेस और आक्रामक खेल से छाये हुए रहे हैं तो दूसरी ओर अनुभवी खिलाड़ी भी इस लीग में अपने प्रदर्शन से दिखाते रहे हैं कि वे किसी से कम नहीं हैं। इसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों ने मैच विजेता पारियां खेलकर मैच का रुख बदला है। इनमें आरसीबी के विराट कोहली से लेकर मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा और सीएसके के महेन्द्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ी हैं। वो खिलाड़ी हैं, जो आज भी अकेले मैच का रुख पलट सकते हैं. रोहित शर्मा (38 साल) = रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने रिकॉर्ड पांच बार ट्रॉफी जीती है। वह मुंबई इंडियंस के इतिहास के सबसे सफल कप्तान हैं। अब भले ही कप्तानी युवा हार्दिक पंड्या संभाल रहे हों पर रनों की जिम्मेदारी रोहित पर ही है।

विराट कोहली (37) = विराट कोहली आईपीएल की शुरुआत से आरसीब का हिस्सा हैं।विराट कोहली का खिताब का सपना आईपीएल 2026 में आरसीबी के चैंपियन बनने के साथ पूरा हुआ।

महेन्द्र सिंह धोनी (44 साल)=महेंद्र सिंह की कप्तानी में टीम ने पांच बार खिताब जीता है। अब भले ही कप्तानी रितुराज गायकवाड़ संभाल रहे हैं पर धोनी का मार्गदर्शन उसमें अहम रहता है। धोनी सीएसके के आधार स्तंभ हैं। भुवनेश्वर कुमार (36 साल)=स्विंग के महारथी भुवनेश्वर कुमार 36 साल की उम्र में भी जबरदस्त लाइन-लैंथ से गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। नई गेंद से विकेट निकालना हो या डेथ ओवर्स में सटीक यॉर्कर डालना, भुवी उसमें युवा गेंदबाजों से अधिक तेज हैं। रवींद्र जडेजा (37 साल = जडेजा अगर भारतीय क्रिकेट टीम इतिहास के सबसे फिट खिलाड़ी हैं। जड्डू को देखकर कोई नहीं कहेगा कि वह 37 साल के हो चुके हैं। हैरतंगेज फील्डिंग करने वाले रवींद्र एक टीम के लिए पूरा पैकेज हैं। जडेजा की घर वापसी हुई है, वह अपनी सबसे पहली टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने के लिए तैयार हैं।

सुनील नरेन (37 साल) =सुनील नरेन का नाम आते ही बल्लेबाजों के मन में डर बैठ जाता है। 37 की उम्र में भी उनकी मिस्ट्री स्पिन का जादू बरकरार है।

धोनी के इस बार आईपीएल से संन्यास लेने की अटकलें तेज हुईं

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी 44 साल के हो गये हैं। ऐसे में उनके संन्यास की अटकलें जोर पकड़ती जा रही हैं। इस बार माना जा रहा है कि वह अंतिम बार लीग से खेलते दिखेंगे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जब वह स्टेडियम में पहुंचे तो हर तरफ से 'थाला थाला' सुनाई देना लगा। उनकी आवाज सुनकर प्रशंसक भी भावुक दिखे। वहीं धोनी पूर्व क्रिकेटरों सुरेश रैना और डीजे ब्रावो के साथ नजर आये। इससे भी प्रशंसकों को लगा रहा है कि ये धोनी का अंतिम आईपीएल रहेगा।

प्रशंसक सीएसके के 'रोर 26' इवेंट के लिए स्टेडियम में पहुंचे थे। कुछ सीएसके खिलाड़ियों ने मैदान पर अभ्यास किया, वहीं कुछ बातें करते दिखे। वहीं पहली बार टीम में शामिल जब नए खिलाड़ी संजू सैमसन जब मैदान में आए, तब भी जोरदार तालियां बज उठीं।

धोनी आईपीएल में अपना 19वां सत्र खेलने जा रहे हैं। उनकी ताकत पहले जैसी नहीं रही पर सीएसके के लिए वह आज भी सबसे कीमती खिलाड़ी हैं हालाकि अब वह निचले स्तर पर ही बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। वहीं चेन्नई के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि धोनी का ये अंतिम आईपीएल रहेगा।

उथप्पा ने कहा,«आईपीएल 2026 शायद उनका आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि इस साल वह मेंटर-कम-खिलाड़ी की भूमिका में रहेंगे।

मुझे नहीं लगता कि वह इस बार नंबर सात पर बल्लेबाजी करेंगे।

मुझे लगता है कि वह नंबर आठ पर बल्लेबाजी करेंगे। वह जानते हैं कि वह धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं, इसलिए अपनी को टीम से अलग कर रहे हैं ताकि उनके बिना भी टीम जीत सके। वह जानते हैं कि तभी कप्तान के तौर पर रुतुराज गायकवाड़ की क्षमता का पता चल सकेगा।,»

पीएसएल छोड़ने वाले खिलाड़ियों पर भड़के नकवी, सख्त कार्रवाई की धमकी दी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा है कि जो भी खिलाड़ी पीएसएल छोड़कर आईपीएल जा रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एक ही समय पर दोनो लीग होने से अवसर मिलने पर विदेशी खिलाड़ी भारत की आईपीएल में खेलने पीएसएल छोड़ने लगे हैं, जिससे नकवी भड़के हुए है। पीसीबी का कहना है कि लीग शुरु होने के ठीक पहले इस प्रकार खिलाड़ियों के छोड़कर जाने से उसे नुकसान होता है। नकवी इसलिए भी भड़के हैं क्योंकि जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजाराबानी के बाद श्रीलंका के दासुन शनाका भी पीएसलएल छोड़ रहे हैं। शनाका को सेम करन के चोटिल होने से राजस्थान रॉयल्स में विकल्प के तौर पर शामिल किया जा रहा है। वहीं मुजाराबानी ने पीएसएल टीम इस्लामाबाद यूनाइटेड छोड़ी है। वह कोलकाता नाइटराइडर्स में मुस्तफिर रहमान की जगह पर जुड़ रहे हैं। इस प्रकार लगातार खिलाडयों के लीग छोड़ने से पीसीबी परेशान है।

नकवी नकवी ने कहा कहा कि लीग छोड़ने वालों को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।नकवी ने कहा कि आईपीएल से टकराव कोई बड़ी समस्या नहीं है, क्योंकि पीएसल को भी अच्छे खिलाड़ी मिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे साल में पीएसएल के लिए कोई और सही समय नहीं है, इसलिए लीग की तारीख नहीं बदली जा सकती। पीएसएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से हो रही है, जबकि आईपीएल 28 मार्च से शुरु हो रहा है।

विराट ने आईपीएल से पहले आरसीबी को किया सावधान, सभी टीमें हमें हराना चाहेंगी

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इस बार का सत्र पहले से कठिन होगा। इसलिए टीम के सभी खिलाड़ियों को और अधिक गंभीरत से खेलना होगा। विराट ने कहा कि इस बार सभी टीमें आरसीबी को हराने का लक्ष्य लेकर उतरेंगी क्योंकि वह मौजूदा चैम्पियन है। ऐसे में सभी टीमें हमारे खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में आरसीबी का पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आरसीबी के शेयर किए गए एक वीडियो में विराट टीम के खिलाड़ियों से बात करने के दौरान उन्हें उत्साहित करते दिखे। उन्होंने कहा कि पिछले 2 से 3 सत्र में टीम ने काफी मेहनत की है और उसी मेहनत के कारण उन्हें पिछले सत्र में खिताबी जीत मिली थी।

विराट ने खिलाड़ियों से कहा कि इस बार चुनौती और बड़ी होगी, इसलिए शुरुआत से ही पूरी ताकत से खेलना होगा। कोहली ने कहा, हमने पिछले 2-3 साल में जो हासिल किया, उसके लिए बहुत मेहनत की पर अब चुनौती और कठिन होने वाली है क्योंकि बाकी टीमें हमें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। हमें अभी से स्विच ऑन होना होगा और हर सेशन में आना सौ फीसदी से अधिक देना होगा।

आरसीबी ने साल 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। तब उसने फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था। अब टीम इस 2026 में अपने खिताब का बचाव करने का पूरा प्रयास करेगी और लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेगी। टीम के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि इस बार नीलामी में टीम ने काफी अच्छे खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिससे टीम पहले से ज्यादा बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि नए खिलाड़ियों को टीम के माहौल में ढालना और सीनियर खिलाड़ियों के साथ सही तालमेल बनाना इस सत्र में सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। गौरतलब है कि विराट आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने आईपीएल में 267 मैचों में 8661 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। आईपीएल में अब विराट कोहली इस सत्र मे भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही नये रिकार्ड अपने नाम करना चाहेंगे।

लिविंगस्टोन को जरुरत से ज्यादा मोटी रकम देकर सनराइजर्स ने गलती की - आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद ने लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ी को मोटी रकम देकर अपने साथ जोड़कर गलती की है। आकाश ने कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जो लीग में असफल रहा है उसपर 13 करोड़ की रकम लगाना समझ में नहीं आता। इससे कम राशि में तो कोई अच्छा खिलाड़ी मिल जाता। चोपड़ा के अनुसार पिछले तीन साल में उन्होंने इस खिलाड़ी को अच्छा प्रदर्शन करते हुए नहीं देखा है। इस दौरान जिस भी लीग में वह रहा उसे पैसे की कीमत नहीं मिली।

उन्होंने कहा कि जिस खिलाड़ी को खराब प्रदर्शन के कारण इंग्लैंड की टीम ने बाहर कर दिया उसके लिए आईपीएल में अपने को साबित करना कठिन रहेगा। उससे अपने प्रदर्शन से दिखाना होगा कि वह दी जा रही रकम का अधिकारी है। एक वीडियो में आकाश ने कहा, मैं लियाम लिविंगस्टोन के बारे में सोच रहा हूं। वह इंग्लैंड टीम में संवाद की कमी के बारे में बात कर रहे थे और कह रहे थे कि उन्हें सही संदेश नहीं मिले थे उन्हें अब सनराइजर्स ने बहुत सारे पैसे में खरीद लिया है पर उनके आंकड़े इस लायक नहीं थे।

उन्होंने पिछले दो या तीन सालों में ऐसा कुछ नहीं किया है कि उन्हें इतने पैसे मिलें।उन्होंने कहा, अब जब वह वहां आ गये है, तो उसे खेलने और कुछ अलग करने का अवसर मिलेगा। साथ ही कहा कि उसे इस मौके को भुनाना होगा। लिविंगस्टोन ने साल टी20 विश्व कप 2026 के बाद इंग्लैंड मैनेजमेंट पर सवाल भी उठाए थे। आकाश ने यह भी कहा है कि युवा अभिषेक शर्मा के पास इस सत्र में अधिक से अधिक रन बनाकर लय हासिल करने और ईशान किशन के पास अपनी कप्तानी साबित करने का अवसर है। ईशान को नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों के लिए कप्तानी दी गयी है।

हॉकी इंडिया पुरस्कार समारो शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा

हार्दिक, सुखजीत, सलीमा टेटे, लालरेम्सियामी सहित कई खिलाड़ी दौड़ में

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया शुक्रवार को एक पुरस्कार समारोह का आयोजित कर अच्छे प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों के साथ ही सहयोगी स्टाफ और मैच अधिकारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित करने जा रहा है। इस समारोह में भारतीय टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह, फॉरवर्ड सुखजीत सिंह, अभिषेक और डिफेंडर संजय को हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिल सकता है। वहीं महिला वर्ग में सलीमा टेटे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और सविता पूनिया के बीच पुरस्कार के लिए मुकाबला है। समारोह में अंडर 21 के उभरते खिलाड़ी के लिए किए जुगराज सिंह और असुंथा लाकड़ा पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के लिए अंतिम नामांकन में आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। वहीं हॉकी में अमूल्य योगदान के लिए जमन लाल शर्मा पुरस्कार और असाधारण उपलब्धि के लिए अध्यक्ष का पुरस्कार भी दिया जाएगा। अधिकारियों की श्रेणी में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर /अंपायर मैनेजर का पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी और सर्वश्रेष्ठ सदस्य ईकाई का पुरस्कार भी दिया जाएगा। इसके अलावा एशिया कप में स्वर्ण विजेता भारतीय पुरुष टीम और जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक विजेता जूनियर पुरुष टीम को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार के लिए नामांकित खिलाड़ी =

बलबीर सिंह सीनियर वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी पुरस्कार = हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, संजय और अभिषेक

बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी =नवनीत कौर, सलीमा टेटे, लालरेम्सियामी, सविता

बलजीत सिंह वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर = प्रिंसदीप सिंह, कृशन बहादुर पाठक, बिछू देवी खारीबम, सूरज करकेरा

परगट सिंह वर्ष का सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर = संजय, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह और हरमनप्रीत सिंह अजित पाल सिंह वर्ष का सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर = हार्दिक सिंह, सुमित, राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा

धनराज पिल्ले वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड = सुखजीत सिंह, अभिषेक, नवनीत कौर, शिलानंद लाकड़ा असुंथा लाकड़ा उदीयमान महिला अंडर 21 खिलाड़ी = साक्षी राणा, ज्योति सिंह, सुनेलिटा टोप्पो, कनिका सिवाच जुगराज सिंह

सैम करन की जगह शनाका को शामिल करेगी रॉयल्स

पीएसएल छोड़कर आईपीएल से जुड़ेंगे

मुम्बई। श्रीलंकाई क्रिकेटर दासुन शनाका के पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार शनाका राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल सकते हैं। रॉयल्स 30 मार्च को गुवाहटी के एसीए स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मुकाबला करेगी। इसमें शनाका इंग्लैंड के सैम करन की जगह ले सकते हैं। सैम ग्रोइन इंजरी के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। वहीं शनाका को आईपीएल नीलामी में किसी टीम ने नहीं खरीदा था पर अब रॉयल्स सैम की जगह उन्हें अवसर दे सकती है। उन्हें पीएसएल के लिए लाहौर कलंदर्स ने उन्हें 75 लाख पाकिस्तानी रुपया में खरीदा था। ऐसे में अगर शनाका लीग छोड़कर आते हैं तो वह जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी के बाद दूसरे ऐसे खिलाड़ी होंगे, जो इस साल पीएसएल छोड़कर आईपीएल में शामिल होंगे। गौरतलब है कि पिछले साल दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश भी इसी तरह पीएसएल छोड़कर आईपीएल में शामिल हो गये थे।

शनाका ने इससे पहले आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के लिए खेला था। साल 2025 में गुजरात टाइटंस ने उन्हें एक बार फिर टीम में शामिल किया था। तब वह न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स की जगह सत्र के बीच में शामिल किये गये थे हालांकि उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला। वहीं रॉयल्स के एक अधिकारी ने कहा , आगामी आईपीएल सीजन के लिए शनाका को टीम में शामिल करने पर बातचीत जारी है। कुछ औपचारिकताएं पूरी होनी बाकी हैं, हालांकि उनका टीम से जुड़ना तय है। रॉयल्स शनाका को टीम में शामिल कर सैम की कमी पूरा करना चाहती है। टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा भी श्रीलंका के हैं और इसका लाभी भी शनाका को मिलेगा।

सुरक्षा कारणों से अपने खिलाड़ी पीएसएल में नहीं भेजेगा बांग्लादेश - अमीनुल हक

ढाका। बांग्लादेश के युवा और खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में खेलने नहीं भेजेगा। अमीनुल के अनुसार इस मामले में अंतिम फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से मिली जानकारी के आधार पर लिया जाएगा।

अमीनुल के अनुसार सरकार के लिए सबसे पहली प्राथमिकता खिलाड़ियों की सुरक्षा है उससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। बीसीबी से औपचारिक जानकारी मिलने के बाद ही कोई कदम उठाया जाएगा। अमीनुल ने कहा, «अगर पीएसएल में सुरक्षा को लेकर कोई चिंता है तो हमारे क्रिकेटर वहां नहीं जाएंगे। सबसे पहले बीसीबी को हमें इसकी जानकारी देनी होगी और उसके बाद ही हम अपनी जांच के आधार पर आधिकारिक फैसला लेंगे।»उन्होंने यह भी कहा कि अगर पर्याप्त सुरक्षा आश्वासन मिलता है तो मंत्रालय खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, «अगर बीसीबी हमें यह भरोसा दिलाता है कि हमारे क्रिकेटरों के वहां जाने में कोई परेशानी नहीं है, तो हमें भी कोई समस्या नहीं है। बीसीबी को यह तय करना होगा कि खिलाड़ी क्या चाहते हैं, क्योंकि हम उन्हें निराश नहीं करना चाहते और चाहते हैं कि सभी अपने-अपने स्थान से खेलें। बीसीबी को सुरक्षा समेत सभी मामलों में हमसे सलाह करनी चाहिए और अगर वे यह सुनिश्चित कर दें कि सब कुछ ठीक है, तो हम आगे बढ़ सकते हैं।

आरसीबी को शुरुआती मैचों में हेजलवुड की कमी खलेगी : श्रीकांत

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2026 में शुरुआती मैच में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की कमी खेलेगी। इसका कारण है कि पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण हेजलवुड शुरु के मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी के लिए हेजलवुड की कमी पूरी करना आसान नहीं रहेगा। श्रीकांत ने कहा है कि इस तेज गेंदबाज का कोई विकल्प नहीं हो सकता है।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेजलवुड ने पिछले सत्र में 12 मैचों में 22 विकेट लिए थे। तब उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर 4 विकेट था। यही वजह है कि श्रीकांत ने हेजलवुड के नहीं होने को आरसीबी के लिए करारा झटका माना है। हेजलवुड चोटिल होने के कारण पिछले साल नवंबर के बाद से ही पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। वह एशेज सीरीज और टी20 विश्वकप भी नहीं खेल पाये। हैमस्ट्रिंग के बाद उनको एंकल इंजरी का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने एक वीडियो में कहा, हेजलवुड का न होना एक बड़ा झटका है। अगर वह दो सप्ताह भी फिट नहीं होते, तो भी वे वहां तीन से चार मैच खेल लेते। उनके बिना, टीम की गेंदबाजी कमजोर हो जाएगी। उनका कोई भी विकल्प नहीं है। जैकब डफी भी खराब गेंदबाज नहीं है पर विश्व कप में वह विफल रहे थे। यह देखना होगा कि वह आईपीएल में चल पाते है या नहीं।उन्होंने साथ ही कहा, हेजलवुड के बिना आरसीबी की 25 फीसदी उम्मीद कम हो वह न सिर्फ गेम-चेंजर हैं, बल्कि मैच-विजेता भी हैं।

वह जो डर पैदा करता हैं, वह बुमराह जैसा ही है। हेजलवुड उस शानदार टेस्ट मैच लेंथ पर गेंदबाजी करते हैं, जहां बल्लेबाज आगे या पीछे नहीं जा सकता।

किसानों को ई टोकन से ही मिलेगी खाद - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में आयोजित समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के साथ ही विभागीय योजनाओं, गेंहू उपार्जन तथा खाद वितरण की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी विभाग में सीएम हेल्पलाइन में कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड न रहे तथा सी व डी श्रेणी में रहने वाले विभागों को तत्परतापूर्वक शिकायतों का निराकरण कर ए श्रेणी में आने का प्रयास करना होगा।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत 26 मार्च तक विकासखण्ड स्तर में आयोजित शिविरों में आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिये ताकि जिला स्तर पर आवेदन न आये। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये जाने वाले कार्यों की कार्ययोजना अनुसार कार्य सम्पादन के निर्देश दिये तथा अधिकारियों से कहा कि चल रहे कार्यों का स्थल निरीक्षण करायें और किये गये कार्यों की साप्ताहिक प्रगति से आगामी टीएल बैठक में अवगत करायें।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों द्वारा गेंहू उपार्जन के लिए किये गये पंजीयन अनुसार रकबे का शत-प्रतिशत सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि वास्तविक किसान छूटे नहीं तथा गलत व्यक्ति को उपार्जन का लाभ न मिले। उन्होंने संबंधित तहसीलदारों को अभियान चलाकर सुरक्षित सत्यापन करने के निर्देश दिये साथ ही एसडीएम को भी सत्यापन कार्य करने व मानीटरिंग के लिये निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि जहां रकबा बढ़ा है वहां एसडीएम मौके पर जाकर संबंधित किसान के रकबे का सत्यापन सुनिश्चित करायें।

बैठक में बताया गया कि आगामी एक अप्रैल से किसानों को ई-टोकन के माध्यम से ही खाद का विक्रय किया जायेगा। कलेक्टर ने कहा कि समितियों व विपणन द्वारा ई-टोकन से किये जाने वाले खाद वितरण की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फार्मर आईडी नहीं बनी है उन्हें शासन के निर्देशानुसार उपलब्ध जमीन के आधार पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाय। टीएल बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस जारी करने तथा चाकघाट, बैकुंठपुर व मनगवां नगर परिषद के सीएमओ की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये गये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री से थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने की सौजन्य भेंट

रीवा (कीर्तिप्रभा).उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से निवास कार्यालय, भोपाल में थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सौजन्य भेंट की। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आगामी वर्ष में भोपाल में आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में सेना एवं राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सहभागिता की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय होने के साथ-साथ देशभक्ति, सैन्य सम्मान और जन-भागीदारी की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भोपाल में प्रस्तावित सेना दिवस आयोजन प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध परंपरा, शौर्य और बलिदान से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इससे प्रदेश के युवाओं में सेना में शामिल होकर राष्ट्रसेवा करने की प्रेरणा भी मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और गौरव की भावना को भी सुदृढ़ करेंगे।

थल सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने बताया कि 15 जनवरी 2027 को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी, जिसकी भव्यता और स्वरूप नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के समान होगा। इस आयोजन के अंतर्गत परेड के साथ सैन्य प्रदर्शनी, सैन्य अभ्यास, शौर्य संध्या और विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि कार्यक्रमों की शुरुआत एक नवंबर 2026 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से चेमेरी माटी अभियानज् के अंतर्गत की जाएगी।

सलाहकार समिति की बैठक 26 मार्च को

रीवा (कीर्तिप्रभा) स्वास्थ्य विभाग के तहत गठित पीसी एण्ड पीएनडीटी की जिला सलाहकार समिति की बैठक 26 मार्च को आयोजित की जा रही है। बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सभागार में दोपहर बाद 3 बजे आरंभ होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

अनुसूचित जाति महिलाओं के लिए लाभकारी है सावित्रीबाई फुले योजना

रीवा (कीर्तिप्रभा). सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अनुसूचित जाति की महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता का अवसर देने के लिए अन्त्यावसायी सहकारी समिति द्वारा सावित्रीबाई फुले स्वसहायता समूह योजना लागू की गई है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अन्त्यावसायी सहकारी समिति एमपी पाठक ने बताया कि अनुसूचित जाति की महिलाओं के स्वसहायता समूह को इस योजना के तहत प्रति सदस्य के मान से अधिकतम 2 लाख रुपए का ऋण दिया जा रहा है। भारत सरकार की विशेष केन्द्रीय सहायता के तहत समय-समय पर प्रति हितग्राही को 10 हजार रुपए का अनुदान भी दिया जाता है। अनुसूचित जाति वर्ग की 18 से 55 आयु वर्ग की महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। इसके लिए सदस्य की वार्षिक आय शहरी क्षेत्र में 55 हजार रुपए तथा ग्रामीण क्षेत्र में 40 हजार रुपए वार्षिक से अधिक नहीं होनी चाहिए। हितग्राही का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। इस योजना के तहत महिला स्वसहायता समूहों को लघु और कुटीर उद्योग, पशुपालन, हस्तशिल्प जैसे परंपरागत व्यवसायों में स्वरोजगार का प्रशिक्षण और वित्त पोषण की सुविधा दी जाती है। अनुसूचित जाति वर्ग की सफाई कामगार, दिव्यांग तथा कल्याणी महिलाओं को इसमें प्राथमिकता दी जाती है। योजना का लाभ उठाने के लिए जिला अन्त्यावसायी सहकारी समिति कार्यालय कलेक्ट्रेट में संपर्क किया जा सकता है।

जिला स्तरीय क्षीरधारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति गठित

रीवा (कीर्तिप्रभा)प्रदेश में दूध का उत्पादन दोगुना करने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा अन्य विभागों के समन्वय से प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत चिन्हित गांव में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत पशुपालन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग तथा वन विभाग के सहयोग से प्रयास किए जा रहे है। योजना क्रियान्वयन की निगरानी के लिए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्षीरधारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति का गठन किया गया है। समिति का उपाध्यक्ष जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बनाया गया है। उप संचालक पशुपालन समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। समिति में उप संचालक कृषि, वन मण्डलाधिकारी तथा वन मण्डल के सदस्य को शामिल किया गया है। यह समिति दुधारू पशुओं के नस्ल सुधार तथा टीकाकरण, हरा चारा उत्पादन विकास, प्राकृतिक एवं जैविक खेती के विकास, वनों के प्रबंधन, पशुपालकों को बैंकों से ऋण और अनुदान की उपलब्धता तथा निराश्रित पशु प्रबंधन के संबंध में सुझाव देगी एवं समन्वय करेगी।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण के लिए दिए निर्देश

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने जनगणना प्रशिक्षण के तीसरे चरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि जनगणना के प्रथम चरण में मकानों के सूची बनाने का कार्य एक मई से 30 मई तक किया जाएगा। इसके लिए मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रथम चरण में 15 से 20 मार्च तक भोपाल में आवासीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षण के दूसरे चरण में मास्टर ट्रेनर जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देंगे। इसके तीसरे चरण में तहसील स्तर पर प्रगणक और पर्यवेक्षक को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए प्रगणिक और पर्यवेक्षकों की सूची तत्काल कलेक्ट्रेट के जनगणना कक्ष में उपलब्ध कराएं। साथ ही तहसील स्तर पर प्रशिक्षण के लिए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

भावांतर योजना के लिए क्रियान्वयन समिति गठित

रीवा (कीर्तिप्रभा). शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2026 में सरसों उत्पादक किसानों को भारत सरकार की प्राइस डेफिसिट पेमेंट स्कीम के मापदण्डों के अनुसार एफएक्यू उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा सरसों फसल के लिए भावांतर योजना लागू की गई है। भावांतर योजना की निगरानी के लिए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। समिति में कृषि उपज मण्डी सचिव का समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। समिति में सदस्य के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, उपायुक्त सहकारिता, जिला आपूर्ति अधिकारी, सहायक संचालक उद्यानिकी, उप संचालक कृषि, अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी तथा प्रभारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र को शामिल किया गया है।

जिला स्तरीय क्षीरधारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति की बैठक संपन्न

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्षीरधारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। ग्रामों में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य तथा पशु पोषण पर विशेष ध्यान देते हुए उन्नत पशुधन को प्रोत्साहित करने की महत्वपूर्ण योजना क्षीरधारा के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को दुगना करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा किया जायेगा।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विभागों के समन्वय से जागरूकता, वनों के प्रबंधन, ऋण की उपलब्धता, ग्रामीण अवसंरचना विकास, हरित चारा उत्पादन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद एवं बायोगैस प्रबंधन में विशेषज्ञता के कार्य समेकित रूप से हो सकेंगे।

युद्ध की वजह से दवा की सरकारी सप्लाई भी संकट में

- दवा कंपनियों को सता रहा है बड़े नुकसान का डर

रीवा /भोपाल (कीर्तिप्रभा)

मध्य-पूर्व एशिया में जारी युद्ध से दवा उद्योग भी अब संकट में आ गया है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में अस्पतालों और स्वास्थ्य विभाग को होने वाली दवा आपूर्ति भी संकट में पड़ सकती है। एमएसएमई श्रेणी के दवा उद्योग जो सरकार को दवा आपूर्ति करते हैं, उनके लिए बढ़ी लागत से तालमेल बैठाना मुश्किल हो गया है।

इस बीच कई तरह के कच्चे माल की आपूर्ति भी तंग है। दवा उद्योगों ने सरकार से सहयोग की मांग की है। सरकारी आपूर्ति के टेंडरों की मियाद बढ़ने से लेकर राहत पैकेज की जरूरत बताई है। साथ ही जीवन रक्षक दवाओं के लिए नए दामों पर अलग से शार्ट टेंडर जारी करने की जरूरत करार दी गई है।

छोटे और मध्यम दवा निर्माता पर दबाव

स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव को पत्र लिखकर बदली परिस्थितियों के हिसाब से नीतियों को बदलने की मांग रखी है। दवा उद्योगों के प्रतिनिधियों के अनुसार कच्चे माल की तेजी से बढ़ी कीमतों, सप्लाई चेन में बाधाओं तथा सरकारी सप्लाई अनुबंधों की सख्त समय-सीमा के कारण हजारों छोटे और मध्यम दवा निर्माता भारी दबाव में हैं। एमपी स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने कहा है कि यदि शीघ्र राहत नहीं दी गई, तो आने वाले दो-तीन महीनों में बड़ी संख्या में दवा निर्माण कर रही इकाइयां बंद हो सकती हैं।

केंद्रीय एवं राज्य स्वास्थ्य निकायों को व अस्पतालों को होने वाली जेनरिक दवा की आपूर्ति का 90 प्रतिशत हिस्सा इन एमएसएमई दवा इकाइयों से ही जाता है। स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. दर्शन कटारिया ने कहा कि देश की दवा फैक्ट्रियों में आने वाला कच्चा माल करीब 75 प्रतिशत विदेश से आता है। इसकी कीमतें 30 से 70 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। साथ ही बदली परिस्थितियों में पैकेजिंग व अन्य सामग्री भी सिर्फ नकद भुगतान पर ही मिल रही है। जबकि सरकार को आपूर्ति के बाद महीनों तक भी दवा उद्योगों को भुगतान प्राप्त नहीं होता।

ये रखी गई मांगें

स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के सचिव अजयसिंह दासुंदी कहते हैं कि सरकार यदि कुछ कदम उठाए तो इस संकट से राहत मिल सकती है। दरअसल जो पूर्व के कांट्रेक्ट हैं, उनकी आपूर्ति की मियाद में 60 दिनों का विस्तार देने का निर्णय तुरंत लेना चाहिए। सरकारी आपूर्ति में देरी होने पर सरकार दंड लगा देती है। ऐसे प्रविधानों को ताजा स्थिति में निलंबित कर देना चाहिए। साथ ही उद्योगों को सरकार को की गई आपूर्ति के पुराने भुगतान लंबित हैं, ऐसे तमाम भुगतानों का तुरंत निपटारा होना चाहिए। जो अत्यावश्यक जीवनरक्षक दवाएं हैं, उनकी 6 माह की आवश्यकता पूर्ति के लिए शार्ट टेंडर जारी हो, जिसका भुगतान नकद किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सप्लाई में देरी के कारण कई दवा निर्माता ब्लैकलिस्ट होने के खतरे में हैं, या फिर भारी नुकसान उठाकर सप्लाई करने पर वित्तीय रूप से दिवालिया होने की कगार पर पहुंच जाएंगे।

परिरूद्ध महिला/पुरूष बंदियों को दिया गया स्वरोजगार मूलक प्रशिक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) ग्रामीण विकास भारत सरकार द्वारा संचालित उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान एवं यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के सहयोग से आरसेटी द्वारा जेल में परिरुद्ध 35 महिला बंदियों के लिए सॉफ्ट टॉय एवं रचनात्मक आभूषण निर्माण एवं 35 पुरुष बंदियों के लिए दो-पहिया वाहन मैकेनिक स्व-रोजगार मूलक प्रशिक्षण दिया गया।

क्षेत्रीय निदेशक यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान पुनीत चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ प्रशिक्षक अखिलेश मिश्रा द्वारा महिला बंदियों को अवगत कराया गया कि जेल से रिहा होने के पश्चात स्व-रोजगार प्रशिक्षण हेतु यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। सतीश कुमार उपाध्याय जेल अधीक्षक केन्द्रीय द्वारा स्व-रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुरुष/महिला बंदियों को बेहतर जीवन-यापन करने एवं समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित होने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में संजीव कुमार गेंदले उप जेल अधीक्षक, दिलीप सिंह उप जेल अधीक्षक एवं श्याम सिंह कुशवाह सहायक जेल अधीक्षक तथा जेल में पदस्थ समस्त स्टॉफ का विशेष योगदान रहा ।

खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को मिलेगा दो-दो माह का खाद्यान्न

उचित मूल्य दुकानों से मार्च-अप्रैल और मई-जून का एक साथ मिलेगा राशन

रीवा (कीर्तिप्रभा) खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्र राशन कार्डधारियों को हर महीने निर्धारित मात्रा में उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न दिया जा रहा है। उपभोक्ताओं को मार्च-अप्रैल तथा मई-जून माह का खाद्यान्न एक साथ दिया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार मार्च और अप्रैल माह का खाद्यान्न 31 मार्च तक सभी उचित मूल्य दुकानों में उपलब्ध कराकर इसका 15 अप्रैल तक वितरण किया जाएगा। मई और जून माह का खाद्यान्न 15 अप्रैल से 15 मई की अवधि में उचित मूल्य दुकानों में भण्डारित किया जाएगा। इसका राशन कार्डधारियों को वितरण एक मई से 31 मई तक किया जाएगा। मार्च माह का खाद्यान्न उचित मूल्य दुकानों में जारी किया जा चुका है। इसके साथ अप्रैल माह के खाद्यान्न का वितरण कराएं। खाद्यान्न का वितरण पीओएस मशीन के माध्यम से कराएं।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जिला आपूर्ति नियंत्रक तथा सहायक आपूर्ति अधिकारियों को आवंटित खाद्यान्न का समय पर वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि उचित मूल्य दुकानों से हितग्राहियों को खाद्यान्न, शक्कर एवं नमक का पात्रता के अनुसार वितरण कराएं। जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम जारी ऑनलाइन आवंटन के अनुसार उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न की आपूर्ति कराएं। खाद्यान्न तथा अन्य सामग्री उचित मूल्य दुकान पहुंचने पर परिवहनकर्ता को तत्काल पीओएस मशीन से ऑनलाइन पावती प्रदान करें। हितग्राहियों को दो-दो माह का खाद्यान्न एक मुश्त प्रदान करें। एसडीएम राजस्व तथा खाद्य विभाग के अधिकारियों से उचित मूल्य दुकानों में भण्डारित और वितरित खाद्यान्न का सत्यापन कराएं। पात्र परिवारों को वितरित खाद्यान्न की मात्रा का विवरण पीओएस मशीन के माध्यम से दर्ज करके उसे पावती दें। हर पात्र राशन कार्डधारी को दो-दो माह का खाद्यान्न वितरित कराएं।

संभागीय टीएल बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 24 मार्च को सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय में टीएल पत्रों की समीक्षा करेंगे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण, ई आफिस, संकल्प से समाधान अभियान, पेंशन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी।

दिव्यांगों, वृद्धजनों और विधवाओं को दिया जा रहा है पेंशन योजना का लाभ

रीवा (कीर्तिप्रभा). सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगों, पात्र वृद्धजनों और विधवा महिलाओं को पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। इस संबंध में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक्त पेंशन के तहत पात्र 18 से 79 वर्ष आयु के दिव्यांगजनों को 600 रुपए हर माह दिए जाते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए दिव्यांग का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। इस योजना का लाभ 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक दिव्यांगता होने पर ही दिया जाता है। आवेदक दिव्यांग का नाम समग्र पोर्टल पर दर्ज होना आवश्यक है। पात्र दिव्यांग योजना का लाभ उठाने के लिए ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ दिव्यांग प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड, समग्र आईडी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति तथा पासपोर्ट आकार के तीन फोटो देना आवश्यक होगा। पेंशन का भुगतान हर माह बैंक खाते के माध्यम से किया जाता है। संयुक्त संचालक ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत मध्यप्रदेश के मूल निवासी 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को योजना के तहत हर माह 600 रुपए दिए जाते हैं। आवेदक का गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवार का सदस्य होना तथा समग्र पोर्टल में नाम दर्ज होना आवश्यक है। आवेदक योजना का लाभ उठाने के लिए ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ आयु प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड, समग्र आईडी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति तथा पासपोर्ट आकार के तीन फोटो देना आवश्यक होगा। पेंशन का भुगतान हर माह बैंक खाते के माध्यम से किया जाता है।

संयुक्त संचालक ने बताया कि कल्याणी महिलाओं को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 600 रुपए प्रतिमाह की राशि दी जाती है। आवेदिका का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। आवेदिका की आयु 40 से 79 वर्ष के बीच होना चाहिए। योजना का लाभ केवल बीपीएल परिवार की विधवा महिलाओं को ही दिया जाता है। योजना की राशि का भुगतान हितग्राही के बैंक खाते में किया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय में आवेदन कर सकते हैं। आयु प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड, समग्र आईडी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति तथा पासपोर्ट आकार के तीन फोटो देना आवश्यक होगा। पेंशन का भुगतान हर माह बैंक खाते के माध्यम से किया जाता है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।